05 अप्रैल 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

गया में तीन नक्सली गिरफ्तार भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद
2

भारत की बात सुनाने वाले दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन

श्रद्धांजलि

एजेंसी/मुंबई

भारतीय अभिनेता और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 87 साल के थे। उन्हें अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाना जाता था। उनकी देश प्रेम वाली फिल्मों के लिए उन्हें 'भारत कुमार' के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। इस खबर के बाद पूरे देश में शोक की लहर है। दोपहर बाद विशाल टॉवर, जुहू में उनके अंतिम दर्शन किए जा सकेंगे। कल सुबह पवन हंस श्मशान घाट, जुहू में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मशहूर अभिनेता ने सुबह 3:30 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की वजह दिल का दौरा बताई गई। रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की गई कि मनोज कुमार पिछले कुछ महीनों से डीकंपेंसेटेड लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें 21 फरवरी, 2025 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

भारतीय सिनेमा में मनोज कुमार के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। उनके नाम एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और अलग-अलग श्रेणियों में सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं। भारतीय कला में उनके अपार योगदान के सम्मान में सरकार ने उन्हें 1992 में पद्म श्री से सम्मानित किया। उन्हें 2015 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हरिकिशन गिरि गोस्वामी था मनोज कुमार का असली नाम

हिंदी सिनेमा में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने फिल्म के लिए अपना नाम बदला था। उसी नए नाम से आज तक फैंस उन्हें जानते हैं। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार मनोज कुमार भी उनमे से एक थे, जिन्होंने सिनेमा से प्रभावित होकर अपना नाम बदल लिया था, लेकिन फैंस उन्हें प्यार से 'भारत कुमार' कहते थे। वैसे मनोज कुमार का असली नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी था। उन्होंने देशभक्ति से लबरेज कई शानदार फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता।

अशोक कुमार, दिलीप कुमार के बहुत बड़े फैन थे मनोज कुमार

24 जुलाई 1937 को मनोज कुमार का जन्म ऐबटाबाद में हुआ, जो बंटवारे के बाद पाकिस्तान का हिस्सा बना। मनोज कुमार के माता-पिता ने उन दिनों भारत को चुना और दिल्ली आ गए। मनोज कुमार ने बंटवारे के दर्द को अपनी आंखों से देखा है। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग का काफी शौक रहा। वह अशोक कुमार, दिलीप कुमार और कामिनी कौशल के बहुत बड़े फैन थे। उनकी फिल्मों से प्रभावित होकर ही उन्होंने अपना नाम हरिकिशन से बदलकर मनोज कुमार कर लिया था। वह हर जगह अपना नाम मनोज कुमार ही बताते थे, जिससे धीरे-धीरे सब उन्हें मनोज कुमार के नाम से जानने लगे।

मनोज कुमार अपने कॉलेज के दिनों में काफी हैंडसम हुआ करते थे और इसी वजह से वह कॉलेज में थिएटर से जुड़ गए थे और फिर उन्होंने एक दिन दिल्ली से मुंबई का रास्ता चुन लिया। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत साल 1957 में आई फिल्म 'फैशन' से की थी। मनोज कुमार ने 'उपकार', 'पत्थर के सनम', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'संन्यासी' और 'क्रांति' जैसी कमाल की फिल्में दीं। अधिकतर फिल्मों में मनोज कुमार का नाम 'भारत कुमार' हुआ करता था और इसी वजह से वह अपने चाहने वालों के बीच 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर हो गए।

लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर बनाई थी फिल्म: मनोज कुमार के कलाकारों के साथ-साथ राजनेताओं से भी अच्छे संबंध थे। साल 1965 में भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ था और इस युद्ध के बाद ही मनोज कुमार ने लाल बहादुर शास्त्री से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने अभिनेता से युद्ध से होने वाली परेशानियों पर एक फिल्म बनाने के लिए कहा। हालांकि, उन दिनों तक अभिनेता को फिल्म बनाने का अनुभव नहीं था। इसके बावजूद अभिनेता ने 'जय जवान जय किसान' से संबंधित 'उपकार' फिल्म बनाई, जिसे दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने निधन पर जताया गहरा दुख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, महान अभिनेता और फिल्म निमार्ता मनोज कुमार जी के निधन से दुखी हूं। उन्होंने भारतीय सिनेमा पर एक अमिट छाप छोड़ी है। अपने लंबे और प्रतिष्ठित करियर के दौरान उन्हें उनकी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाना जाता था, जिसने भारत के योगदान और मूल्यों पर गर्व की भावना को बढ़ावा दिया। राष्ट्रीय नायकों, किसानों और सैनिकों के प्रतिष्ठित चरित्रों को उन्होंने जीवंत किया, जो हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित रहेंगे। उनका सिनेमा राष्ट्रीय गौरव को जगाएगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं।

वहीं एक्स हैंडल पर पीएम मोदी ने दो तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, महान अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार जी के निधन के बारे में सुनकर बहुत दु:ख हुआ। वे भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे, जिन्हें खासतौर पर उनकी देशभक्ति के जोश के लिए याद किया जाता था, जो उनकी फिल्मों में भी झलकता था। मनोज जी के कामों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया। वे इससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।

मनोज कुमार के निधन पर अभिनेत्री हेमा मालिनी ने एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा, उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं- सभी देशभक्ति से भरी थीं। वह भाजपा में भी शामिल हुए, हालांकि स्वास्थ्य कारणों से वह आगे नहीं बढ़ पाए, लेकिन वह इस पार्टी के प्रशंसक थे। मैं उनसे पूछती थी कि आप अब फिल्में क्यों नहीं बनाते, क्योंकि आपके जैसे फिल्मकार अब नहीं रहे। वह कहते थे- हां, मैं बनाऊंगा। यह दुखद है कि वह अब हमारे बीच नहीं हैं। मेरी उनके साथ खूबसूरत यादें हैं। वह गानों को फिल्माने में माहिर थे। मैंने उनके साथ 4 फिल्में की हैं।

खबरें फटाफट

वक्फ बिल को लेकर जदयू में बगावत, 7 नेताओं का इस्तीफा

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। वक्फ बिल पर मोदी सरकार के समर्थन के बाद जेडीयू में बगावत के सुर तेज हो गए हैं। अब तक पार्टी के 7 मुस्लिम नेता इस्तीफा दे चुके हैं। ताजा घटनाक्रम में पूर्व प्रदेश सचिव एम. राजू नैयर और बेतिया जिला उपाध्यक्ष नदीम अख्तर ने पार्टी छोड़ दी है। इससे पहले भोजपुर से मो. दिलाशाद राईन, प्रदेश महासचिव मो. तबरेज सिद्दीकी और पूर्व प्रत्याशी मो. कासिम अंसारी ने भी पार्टी से नाता तोड़ लिया था। हालांकि, जेडीयू ने दावा किया है कि कासिम अंसारी कभी पार्टी के आधिकारिक सदस्य थे ही नहीं। जेडीयू ने केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल 2025 का समर्थन कर गठबंधन धर्म निभाने की कोशिश की, लेकिन इसका सीधा असर पार्टी के अल्पसंख्यक नेताओं पर पड़ा। पार्टी के कई नेता इस फैसले से असहमत हैं और इसे मुस्लिम समुदाय के अधिकारों के खिलाफ बता रहे हैं। हालांकि, अब तक पूर्व राज्यसभा सांसद गुलाम गौस और गुलाम रसूल पार्टी के साथ बने हुए हैं। लेकिन वे केंद्र सरकार से वक्फ बिल वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी पास

वक्फ बिल के विरोध में मुस्लिम समुदाय में आक्रोश, देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन

◆ कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु अहमदाबाद की सड़कों पर हजारों लोग उतरें सड़कों पर

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार वक्फ संशोधन विधेयक को संसद से पास कराने में सफल रही। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद ये कानून बन जाएगा। भले ही केंद्र सरकार ये भरोसा दिलाने की कोशिश कर रही हो कि वक्फ विधेयक से मुसलमानों को कोई नुकसान नहीं होगा। बावजूद इसके मुस्लिम समुदाय में इस बिल को लेकर आक्रोश नजर आ रहा। यही वजह है कि देश के अलग-अलग शहरों में बिल के खिलाफ उन्होंने प्रदर्शन भी किया।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ शुक्रवार को कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद, बेंगलुरु की सड़कों पर हजारों लोग जमा हुए। मुस्लिम समुदाय के इन लोगों ने शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद विरोध प्रदर्शन किया। वक्फ बिल के खिलाफ शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद जिन राज्यों में प्रदर्शन हुए उनमें पश्चिम बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और असम शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने विधेयक को लेकर अपनी असहमति जताई। उन्होंने 'हम वक्फ संशोधन को अस्वीकार करते हैं' और 'वक्फ विधेयक रद्द करो' जैसे नारे लगाए। कई विरोध प्रदर्शन जॉइंट फोरम फॉर वक्फ प्रोटेक्शन द्वारा आयोजित किए गए थे।

अहमदाबाद में प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हटाने की कोशिश की। एआईएमआईएम के राज्य इकाई के प्रमुख और 40 सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। चेन्नई में भी इसी तरह के दृश्य देखने को मिला। अभिनेता विजय की पार्टी, तमिलगा वेट्टी कजगम ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। टीवीके कार्यकताओं ने चेन्नई और कोयंबटूर जैसे शहरों में रैलियां कीं। उन्होंने 'वक्फ विधेयक को रद्द करो' और 'मुसलमानों के अधिकार मत छीनो' जैसे नारे लगाए। अभिनेता-राजनेता विजय ने वक्फ विधेयक को अलोकतांत्रिक बताया। उन्होंने कहा कि यह भारत की धर्मनिरपेक्ष नींव पर सवाल उठाता है। वक्फ बिल के खिलाफ पश्चिम बंगाल में भारी प्रदर्शन हुआ। शुक्रवार को कोलकाता में मुस्लिम समुदाय की भारी भीड़ राष्ट्रीय ध्वज लहराते वक्फ बिल के विरोध के पोस्टर लिए सड़कों पर उतर आई। कई विरोध प्रदर्शन वक्फ संरक्षण के लिए संयुक्त मंच द्वारा आयोजित किए गए थे।

यूपी में हाई अलर्ट पर रहा पुलिस प्रशासन

लखनऊ में भी तनाव की स्थिति रही। डीसीपी आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने सभी से विधेयक को पढ़ने के बाद ही राय बनाने को कहा है। वे सोशल मीडिया पर भी नजर रख रहे हैं। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है। लखनऊ में दरगाहों और मस्जिदों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। पश्चिम बंगाल में इन विरोध प्रदर्शनों से अगले साल होने वाले चुनावों से पहले स्थिति और तनावपूर्ण हो सकती है।

कानून का विरोध करनेवाले जेल जाएंगे: विजय सिन्हा

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने वाले को साफ शब्दों में कहा कि कानून का विरोध कीजियेगा तो जेल जाइएगा। यह नरेंद्र मोदी की सरकार सरकार है, जहां संविधान के साथ चलना होगा, कानून के साथ चलना होगा। वक्फ संशोधन बिल कोई वैसे ही नहीं पारित किया गया। बहस की पूरी गुंजाइश दी गई। तर्क और नसीहत भी सुनी गई। और फिर यह दोनों सदनों में पारित हुआ। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने साफ कहा वक्फ संशोधन बिल दोनों सदनों में चर्चा के बीच पारित हुआ। रात भर बहस चली। और जो लोग वक्फ संशोधन बिल का विरोध करते हैं वे ये जान लें कि यह राष्ट्रद्रोह है। जानिए यह पाकिस्तान नहीं हिंदुस्तान है। अगर कानून के विरोध में चलेंगे, संविधान के विरोध में चलेंगे तो जेल जाने के लिए तैयार रहिए। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रिय सरकार है। यह किसी से डरने वाली सरकार नहीं।

दरभंगा में भीषण अगलगी में करीब 50-60 घर जलकर राख

कुशेश्वर स्थान में देर रात 1 बजे की घटना

केटी न्यूज/पटना

बिहार के दरभंगा जिले से बड़ी खबर सामने आई है, जहां बीती देर रात भीषण आगजनी की घटना हुई। जिसमें- कई घर जलकर राख बन गया, कई घर तबाह हो गया। यह घटना कुशेश्वरस्थान थाना अंतर्गत भटवन, पंचायत-दिनमो, प्रखंड-कुशेश्वर स्थान (पश्चिम) में देर रात लगभग 1 बजे घटी। ग्रामीणों के अनुसार, आगजनी में लगभग 50-60 घर जलकर राख हो गया। अधिकतर मकान फुश के थे, जिस वजह से आग की लपटें काफी तेजी से फैली और देखते ही देखते कई घरों को आग ने अपने आगोश में ले लिया. पक्के मकानों को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

इस अगलगी में घरों में जितने भी अनाज, कपड़े और सामान रखे हुए थे सभी जलकर राख बन गया। आग लगने के बाद ग्रामीणों के बीच अफरा तफरी मच गई। आग की भयावह लपटों को देख लोग दहशत में आ गए और इधर-उधर भागने लगे। राहत की बात रही कि इस अगलगी की घटना में किसी जान का कोई नुकसान नहीं हुआ है। प्रथम द्दष्टया में आग लगने का कारण बिजली के ट्रांसफार्मर से शॉर्ट सर्किट से बताई जा रही है। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंच आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई। काफी मशक्कत के बाद फायर बिग्रेड की टीम द्वारा आग पर काबू पाया गया। बता दें कि पूरी घटना बीती देर रात की है, जब अचानक आग की लपटें उठने लगी। ग्रामीण सो रहे थे, तभी आग की लपटों को देख ग्रामीण चिल्लाने लगे और अपने परिवार, माल-जाल को ले वो गांव से बाहर खेत की तरफ भागे। हालांकि, लगी आग से किसी जान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं, सुबह होते ही लोग अपने समानो को ढूढ़ रहे थे।

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। ताजा मामला सुल्तानगंज थाना क्षेत्र का है, जहां मरीन ड्राइव स्थित जेपी पथ पर शुक्रवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े एक युवक को गोली मार दी। सिर में गोली लगने के कारण युवक सड़क पर गिर पड़ा,आनन-फानन में घायल को पीएमसीएच पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गांधी मैदान जा रहा था युवक, पीछा कर रहे थे हमलावर

जानकारी के मुताबिक, घटना उस समय हुई, जब युवक सुल्तानगंज मस्जिद के पास स्थित जेपी पथ से गांधी मैदान की ओर स्कूटी से जा रहा था। चश्मदीदों के मुताबिक, पीछे से एक बाइक पर सवार अपराधियों ने युवक का पीछा करते हुए उसके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही युवक स्कूटी से गिरकर बीच सड़क पर तड़पने लगा। स्थानीय लोगों ने तुरंत सुल्तानगंज थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

युवक की पहचान शाहनवाज के रूप में की गई है। वह पटना सिटी का रहनेवाला था। शाहनवाज अपने किसी निजी काम से स्कूटी पर जा रहा था। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने पूरी योजना के तहत पीछा करते हुए युवक को निशाना बनाया।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 11 उग्रवादियों को सुरक्षा बलों ने दबोचा

एजेंसी/इंफाल

सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई घाटी जिलों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, कई ऑपरेशनों के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए। पुलिस के मुताबिक सुरक्षाबलों ने पीआरईपीएके के दो सक्रिय सदस्यों को इंफाल पश्चिम जिले के लांगथाबल कुंजा से गिरफ्तार किए गए, जबकि कांगलेई यावल कन्ना लुप (केवाईकेएल) का एक अन्य सदस्य उसी जिले के अवांफ पोतसांगबाम से पकड़ा गया। एक अन्य उग्रवादी, जो प्रतिबंधित केवाईकेएल (एसओआरईपीए) से संबंधित था, को थौबाल जिले के उनिंगखोंग क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। इसी तरह अन्य को भी गिरफ्तार किया गया है।

बैंकॉक में पीएम मोदी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के साथ की बैठक

मोदी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की। भारत ने मोहम्मद यूनुस के सामने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। भारत ने बांग्लादेश को माहौल खराब करने वाले बयानबाजी से बचने के लिए कहा है। हाल ही में मोहम्मद यूनुस ने पूर्वोत्तर के राज्यों को लेकर विवादित बयान दिया था। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने दोनों नेताओं की बैठक लेकर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के सभी मामलों की गहन जांच सहित उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

विदेश सचिव ने बताया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने यह भी आह्वान किया कि माहौल खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचना चाहिए।

पड़ोसी देश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिक सरकार बनने के बाद से भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में तल्खियां बढ़ गई। मोहम्मद यूनुस ने कई मौकों पर विवादित बयान दिया है, जिस पर भारत ने आपत्ति दर्ज कराई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नेता मोहम्मद यूनुस ने 28 मार्च को बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर विवादित बयान दिया। मोहम्मद यूनुस ने कहा, भारत के पूर्वी हिस्से को सेवन सिस्टर्स कहा जाता है। वे चारों ओर से जमीन से घिरे क्षेत्र हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। बांग्लादेश को इस क्षेत्र में महासागर का एकमात्र संरक्षक बताते हुए यूनुस ने कहा कि यह एक बड़ा अवसर हो सकता है और चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमा पर कानून के सख्त क्रियान्वयन, सीमा सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए, विशेष रूप से रात के समय अवैध तरीके से सीमा पार करने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के मुद्दे पर चर्चा की।

बिहार पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम को मिली बड़ी सफलता

गया में तीन नक्सली गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद

- तीन एसएलआर रायफल, एक सेमी ऑटोमेटिक रायफल और 527 कारतूस हुआ बरामद
- तिलाठी पहाड़ी से हथियारों और विस्फोटकों का भंडार मिला, पुलिस का अभियान जारी

केटी न्यूज/गया

गया जिले में बिहार पुलिस और एसटीएफ की टीम को बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने 3 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई इमामगंज थाना क्षेत्र के गंगटी बाजार में की गई। पुलिस को 3 अप्रैल को नक्सलियों के बारे में जानकारी मिली थी। गया के एसएसपी आनंद कुमार ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को खबर मिली थी कि गंगटी बाजार में कुछ नक्सली हैं। इस सूचना के बाद पुलिस की एक टीम बनाई गई। टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी और नक्सलियों को गिरफ्तार करने के साथ हथियार बरामद किए। रूपेश की निशानदेही पर पुलिस ने कादीरगंज तिलाठी पहाड़ी में तलाशी अभियान चलाया। वहां से हथियारों और विस्फोटकों का बड़ा भंडार मिला। इसके बाद पुलिस ने फिर से छापेमारी शुरू की। इस दौरान उदय कुमार और बबलू कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। उदय कुमार के पिता का नाम टेगु यादव है। वह सोहेल थाना सलैया का रहने वाला है। बबलू कुमार के पिता का नाम अर्जुन प्रसाद है। वह जगतपुर लकराही थाना भदवर का रहने वाला है। पुलिस ने नक्सलियों के पास से कई हथियार बरामद किए हैं। इनमें 3 एसएलआर रायफल, एक सेमी ऑटोमेटिक रायफल और 527 कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा, 7 एसएलआर मैगजीन, 2 इनसास मैगजीन, एक केन बम, 6 डेटोनेटर और 3 मोबाइल भी बरामद किए गए हैं। नक्सलियों की गतिविधियों लगेगी रोक लायेगी। पुलिस का कहना है कि यह नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता है। हथियारों की बरामदगी से नक्सलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। पुलिस आगे भी नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी। वे इलाके में शांति बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। पुलिस लोगों से भी सहयोग करने की अपील कर रही है। अगर किसी को भी नक्सलियों के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत पुलिस को बताएं।

पुलिस ने घेरकर नक्सली को पकड़ा

एसएसपी ने बताया कि पुलिस जब गंगटी बाजार पहुंची, तो उन्हें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। वह पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम रूपेश पासवान बताया। रूपेश ने अपने पिता का नाम उमेश पासवान बताया। वह कादिरगंज इमामगंज का रहने वाला है। तिलाठी पहाड़ी से हथियारों और विस्फोटकों का भंडार मिला । गया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आनंद कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि गंगटी बाजार में कुछ नक्सली सक्रिय हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के आधार पर जिला पुलिस और एसटीएफ की एक विशेष टीम ने इलाके में छापेमारी शुरू की।

पिछले एक सप्ताह में 7 नक्सली गिरफ्तार : एसएसपी ने यह भी बताया कि, पिछले एक सप्ताह में गया पुलिस और एसटीएफ ने कुल सात नक्सलियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें यह ताजा कार्रवाई शामिल है। यह ऑपरेशन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ जारी है, और उनकी निशानदेही पर अन्य संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि यह प्रयास किया जा रहा है कि नक्सलियों को धर-दबोचा जाए। इसके लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही बड़ी कामयाबी मिलने की उम्मीद जतायी जा रही है।

सूबे के 20 जिलों में जल्द शुरू होगा टोपोलैंड भूमि सर्वे

केटी न्यूज/पटना

भूमि सर्वेक्षण के तहत टोपोलैंड, यानि असर्वेक्षित ग्राम की श्रेणी में आने वाले राजस्व ग्रामों का भी सर्वे किया जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने 20 जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों को पत्र भेजकर इसी माह से अविलंब सर्वे कार्य शुरू करने को कहा है। विभाग ने चयनित अंचलों के मानचित्र के आधार पर इसका अवलोकन कर, सर्वे कार्य शीघ्र शुरू करने का आदेश दिया है। 1.65 लाख से अधिक रैयतों ने इसके लिए ऑनलाइन आवेदन दिया है। इसी बीच अब विशेष भूमि सर्वेक्षण के तहत टोपोलैंड की श्रेणी में आने वाले राजस्व ग्रामों का भी सर्वे कराने का फैसला लिया गया है। भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक ने इसको लेकर बांका समेत राज्य के 20 जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों को इसी महीने से सर्वे का काम शुरू करने का निर्देश दिया है। चयनित अंचलों के मैप के आधार पर सर्वे का काम शुरू करने को कहा गया है। बता दें कि नदियों के किनारे की जमीनों को टोपोलैंड कहा जाता है। यह वैसी जमीन है जिसका कभी सर्वे नहीं कराया गया है। बारिश और बाढ़ के बाद नदियां अपना रास्ता कुछ वर्षों के बाद बदल लेती हैं, जिससे नए भूखंडों का निर्माण होता है।

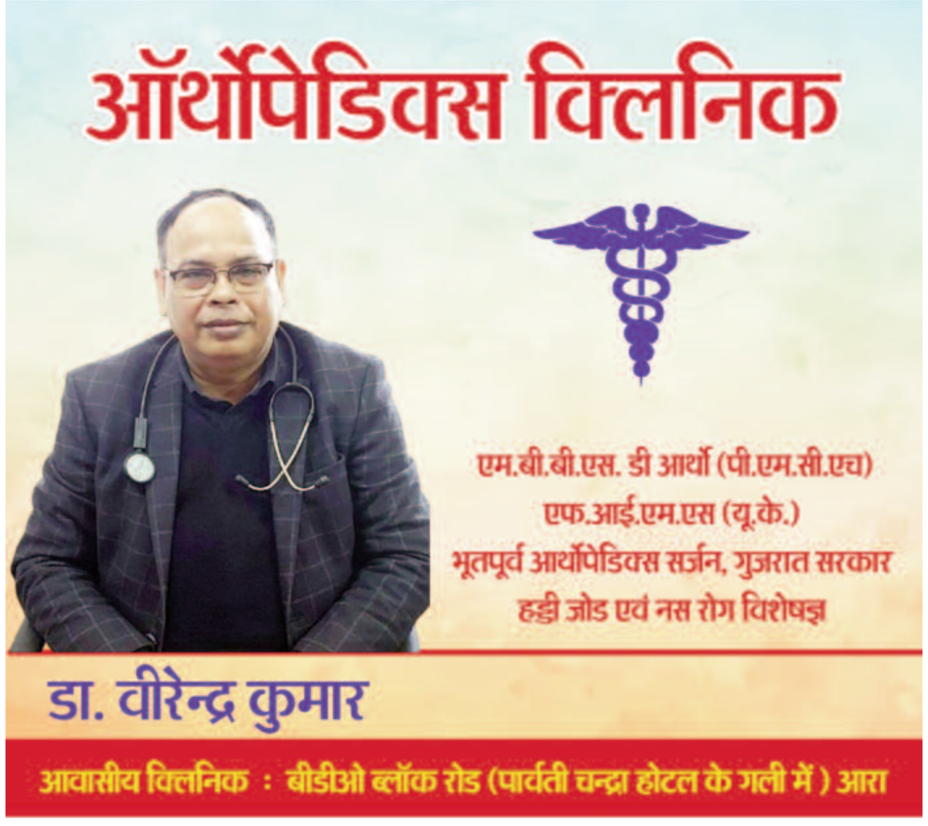

अकासा एयरलाइंस ने दरभंगा-दिल्ली रूट पर भरी पहली उड़ान, मंत्री संजय सरावगी ने किया उद्घाटन

केटी न्यूज/दरभंगा

मिथिला क्षेत्र के लोगों के लिए हवाई यात्रा को और अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाते हुए अकासा एयरलाइंस ने दरभंगा से दिल्ली के लिए अपनी पहली उड़ान सेवा की शुरूआत कर दी है। शुक्रवार को दरभंगा एयरपोर्ट पर एक सादे लेकिन गरिमामय समारोह में बिहार सरकार के भू एवं राजस्व सुधार मंत्री संजय सरावगी ने फीता काटकर और प्रथम यात्री को बोर्डिंग पास सौंपकर इस सेवा का औपचारिक उद्घाटन किया। अकासा एयरलाइंस अब स्पाइसजेट और इंडिगो के बाद दरभंगा से नियमित उड़ान भरने वाली तीसरी एयरलाइंस बन गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कंपनी को दिल्ली-दरभंगा रूट पर टाइमिंग स्लॉट आवंटित किया है। इस सेवा की घोषणा कंपनी ने लगभग एक महीने पहले की थी और तभी से टिकट बुकिंग भी शुरू हो गई थी।

मुंबई रूट की भी तैयारी, जल्द शुरू होगी सेवा: अकासा एयरलाइंस को दिल्ली-दरभंगा के साथ-साथ मुंबई-दरभंगा रूट के लिए भी स्लॉट मिल चुका है। कंपनी के मुताबिक, कुछ ही दिनों में इस रूट पर भी सेवा शुरू कर दी जाएगी, जिससे दरभंगा को दो महानगरों से सीधी हवाई कनेक्टिविटी मिल जाएगी। वर्तमान में दरभंगा एयरपोर्ट वायुसेना के परिसर में स्थित एक छोटे टर्मिनल से संचालित हो रहा है। इसकी सीमित क्षमता के चलते एक बार में केवल दो विमानों की उड़ान या लैंडिंग संभव हो पाती है। लेकिन अब यहां 1400 करोड़ रुपये की लागत से नया अत्याधुनिक टर्मिनल भवन तैयार किया जा रहा है। इसके बन जाने के बाद एक साथ कई विमानों को टेकऑफ और लैंडिंग की सुविधा मिलेगी।

उड़ान योजना में सबसे सफल एयरपोर्ट बना दरभंगा: उद्घाटन के मौके पर मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट ने ह्यउड़ान योजनाह्व के तहत देश के सबसे सफल एयरपोर्ट के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि इस एयरपोर्ट से लगातार उड़ानों की संख्या बढ़ रही है।

समस्तीपुर में पत्नी की विदाई न होने पर पति ने की आत्महत्या

समस्तीपुर। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामपुर दूधपुरा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। 42 वर्षीय चंदन शाह ने पारिवारिक तनाव और पत्नी की विदाई न होने से आहत होकर घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान मोहल्ले के दिवंगत नागेंद्र शाह के पुत्र के रूप में हुई है। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के भाई सूरज शाह के अनुसार, चंदन की शादी लगभग 15 साल पहले हुई थी।बीते वर्षों में पति-पत्नी के रिश्तों में खटास आ गई थी। शिवरात्रि के दिन उनकी पत्नी सोनी देवी अपने दोनों बच्चों को लेकर मायके मोहम्मदपुर (दरभंगा) चली गई थीं।

छठ पूजा के दौरान गंगा में डूबने से बालक की मौत

वैशाली। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के शिवनगर स्थित काशी घाट पर गंगा नदी में दर्दनाक हादसा हो गया। जहां शुक्रवार सुबह नहाते समय 12 वर्षीय स्वराज कुमार उर्फ सौरभ कुमार की डूबने से मौत हो गई। उस समय स्वराज अपनी दादी और परिजनों के साथ छठ पूजा के अवसर पर घाट पर गया था।जानकारी के अनुसार, मृतक स्वराज कुमार स्थानीय निवासी हरबंस मिश्रा का पुत्र था। छठ पूजा के अवसर पर उसकी दादी और परिवार के अन्य सदस्य घाट पर पूजा अर्चना करने पहुंचे थे। इस दौरान स्वराज भी गंगा में स्नान कर रहा था कि अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। घटना होते ही अफरा-तफरी मच गई।

बोले मंत्री विजय सिन्हा... अवैध खनन नहीं होगा बर्दाश्त

- खान एवं भूतत्व विभाग ने की है लक्ष्य से 14 प्रतिशत अधिक राजस्व की वसूली

केटी न्यूज/पटना

सरकार की नई खनन नीति ने तस्वीर बदलकर रख दी है। बिहार के डिप्टी सीएम एवं खान एवं भूतत्व मंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि बालू का अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ने बताया कि खान एवं भूतत्व विभाग ने लक्ष्य से 14 प्रतिशत अधिक राजस्व की वसूली की है। 3500 करोड़ के लक्ष्य की जगह 3569 करोड़ रुपये राजस्व की वसूली की गयी है। इससे बालू घाटों पर होने वाली हिंसा की घटनाओं पर भी लगाम लगा है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार ने सुनहरे बालू के काले कारोबार पर नकेल कस दी है। अब इसके सकारात्मक नतीजे भी दिखने लगे हैं। राज्य सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में बालू खनन से प्राप्त होने वाले राजस्व की वसूली में एक नया कीर्तिमान बनाया है। विगत वित्तीय वर्ष यानी 2024-25 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य से करीब 14 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विभाग ने कुल 3500 करोड़ रुपये के राजस्व वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया था। जबकि इसके विरुद्ध विभाग ने कुल 3569 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली की है। उन्होंने कहा कि अब राज्य में पीले और सफेद बालू का अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने बताया कि यह राशि विभाग द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य से 14 प्रतिशत अधिक है, जो पिछले पांच वर्षों में एक नया रिकॉर्ड है। विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि यह तब संभव हो सका है, जब बिहार सरकार ने पिछले साल अक्टूबर 2024 में राज्य में नई खनन नीति लागू की है, जिससे राज्य में न केवल बालू के अवैध उत्खनन पर रोक लगी है बल्कि बालू की अवैध ढुलाई और परिवहन पर भी लगाम कसा है। प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल और विभाग के निदेशक विनोद दूहन भी मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि राजस्व वसूली का यह लक्ष्य तब संभव हो सका है, जब बालू खनन में शामिल 25 प्रतिशत से भी अधिक संवेदकों ने अपने-अपने घाट सरकार को

पीएम जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जुड़े मरीजों को मिलेगा लाभ

बोले मंत्री मंगल पांडेय... 161 प्राइवेट अस्पताल किये गये सूचीबद्ध, आयुष्मान कार्ड से होगा इलाज

केटी न्यूज/पटना

बिहार में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को रिकॉर्ड भुगतान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने जानकारी देते हुए कहा कि वितीय वर्ष 2024-25 में अब तक का सबसे ज्यादा रिकॉर्ड कुल 1010 करोड़ रुपये का दावा भुगतान किया गया है। कुल दावे भुगतान की राशि वितीय वर्ष 23-24 में 323.23 करोड़ से बढ़कर वितीय वर्ष 2024-25 में तिगुना से भी ज्यादा 1010.88 करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के अंदर सूचीबद्ध कुल 833 अस्पतालों एवं राज्य के बाहर के 2426 सूचीबद्ध अस्पतालों को योजना अंतर्गत निःशुल्क इलाज प्रदान करने के लिए इस राशि का भुगतान कर दिया गया है। राज्य

अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों को दावा भुगतान विगत वर्ष के 236.43 करोड़ से बढ़कर वितीय वर्ष 2024-25 में लगभग तिगुना 677.74 करोड़ हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कि योजना में प्राइवेट अस्पतालों की भागीदारी में भी वितीय वर्ष 2023 - 24 की तुलना में दोगुनी वृद्धि हुई है। जहां वितीय वर्ष 2023-24 में 87 प्राइवेट अस्पताल इस योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हुए थे, वहीं वितीय वर्ष 2024-25 में 161 प्राइवेट अस्पताल सूचीबद्ध किये गए हैं, जिससे मरीजों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच में सुधार हुआ है। राज्य में जारी किए गए आयुष्मान कार्डों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2023-24 में 88 लाख से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 3.72 करोड़ तक पहुंच गई है। वर्ष 2023 में 9.03 लाख आयुष्मान कार्ड का निर्माण हुआ था, जबकि वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 2.82 करोड़ आयुष्मान कार्ड का निर्माण किया गया है। जिससे लाखों और नागरिकों को कैशलेस उपचार का लाभ सुनिश्चित हो सकेगा। इसके अतिरिक्त वितीय वर्ष 2024-25 में 216,279 आयुष्मान वय वंदना कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे राज्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा कवरेज का विस्तार हुआ है।

सदर अस्पताल समेत पांच अस्पतालों का कायाकल्प योजना के तहत हुआ चयन, मिलेगी पुरस्कार राशि

♦ मरीजों का बेहतर इलाज और कुशल प्रबंधन के आधार पर विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का हुआ कायाकल्प: सीएस

केटी न्यूज/बक्सर

जिला प्रशासन व जिला स्वास्थ्य समिति जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में उत्कृष्ट सेवाओं, साफ सफाई और बेहतर अधारभूत संरचना को लेकर संकल्पित है। इसके लिए स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्था बेहतर करने के उदेश्य से कायाकल्प योजना की शुरूआत की गई। इसी कड़ी में राज्य स्वास्थ्य समिति ने बक्सर जिले के पांच स्वास्थ्य संस्थानों का चयन किया है। इनमें सदर अस्पताल बक्सर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्रह्मपुर, नावानगर, इटाढ़ी एवं सिमरी का चयन किया गया। साथ ही, राज्य स्वास्थ्य समिति ने सदर अस्पताल को तीन लाख रुपये की पुरस्कार राशि तथा ब्रह्मपुर, नावानगर, इटाढ़ी एवं सिमरी के सीएचसी को एक-एक लाख रुपए की राशि सराहना पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाएगी।

सिविल सर्जन डॉ. शिव कुमार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि राज्य स्तरीय टीम के कायाकल्प के समकक्ष मूल्यांकन (पियर असेसमेंट) में सदर अस्पताल ने 80.3 प्रतिशत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्रहम्पुर द्वारा 70 प्रतिशत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवानगर ने 75.93 प्रतिशत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटाढ़ी ने 72.9 प्रतिशत एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिमरी ने 74 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। इसी उपलब्ध के लिए इन पांचों स्वास्थ्य संस्थानों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही, जिलास्तर पर कायाकपल के तहत चयनित यूपीएचसी की श्रेणी में सदर यूपीएचसी तथा एचडब्ल्यूसी की श्रेणी में नावानगर प्रखंड अंतर्गत कड़सर एचडब्ल्यूसी ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दोनों संस्थाओं को क्रमशः दो और एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

पुरस्कार राशि का 25 प्रतिशत कर्मियों में होगा वितरित : डीसीक्यूएम रुचि कुमारी ने बताया कि सरकार की ओर से मिलने वाली पुरस्कार राशि का 25 प्रतिशत स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों को बीच वितरित किया जाएगा। वहीं, 75 प्रतिशत राशि संबंधित अस्पताल के मेंटेनेंस पर खर्च किया जाएगा। कायाकल्प योजना के तहत विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के द्वारा बेहतर चिकित्सीय सुविधाओं का सुधार किया गया हैं, वह न केवल मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, बल्कि इससे स्वास्थ्य विभाग पर भी मरीजों का विश्वास बढ़ा है। क्योंकि यह योजना स्वास्थ्य संस्थानों को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है, जिसमें अस्पताल केवल इलाज का स्थान नहीं बल्कि एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण का माहौल भी बनाता है।

पहली अनुशंसा में ही इटाढी सीएचसी का हुआ चयन

डीपीएम मनीष कुमार ने बताया कि समकक्ष मूल्यांकन के लिए सात अस्पतालों की अनुशंसा की गई थी। इनमें पांच का ही चयन किया गया है। इनमें इटाढी सीएचसी ने अपनी पहली अनुशंसा में ही उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के गाइड लाइंस के अनुसार कायाकल्प योजना के तहत अस्पतालों में मुख्य रूप से आठ बिंदुओं पर फोकस किया जाता है। इनमें अस्पताल का अपना भवन, अस्पताल परिसर की स्वच्छता व साफ सफाई, कचरा निष्पादन की व्यवस्था, इंफेक्शन कंट्रोल कमेटी का क्रियाकलाप, सपोर्ट सर्विस, हाइजेनिक प्रोमोशन और बियांड द बांड्री यानि अस्पताल परिसर के बाहर आसपास वाले क्षेत्रों की साफ सफाई का होना शामिल है। साथ ही, साईनेज बोर्ड, आयुर्वेदिक बगीचा आदि को भी शामिल किया गया है।

स्कूलों की बदली टाइमिंग, अब मॉर्निंग संचालित होंगे स्कूल

बक्सर। शिक्षा विभाग ने भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए स्कूलों की समय सारिणी में बदलाव किया है। नई समय सारिणी सात अप्रैल से सभी प्राथमिक तथा मध्य विद्यालयों के लिए लागू की गई है।

नई समय सारिणी के अनुसार सात अप्रैल से विद्यालयों का संचालन सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। शुक्रवार को शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि यह आदेश सात अप्रैल से एक जून तक प्रभावी होगा। अर्थात गर्मी की छुट्टियों से पूर्व विद्यालय अब सुबह साढ़े छह बजे खुलेंगे और दोपहर 12.30 बजे बंद होंगे। सुबह आधे घंटे का समय साफ-सफाई और प्रार्थना के लिए निर्धारित किया गया है। सात बजे से कक्षाएं प्रारंभ होगी। एक घंटी का समय 40 मिनट का होगा तथा तीन घंटी की पढ़ाई के बाद नौ से 9:40 बजे तक 40 मिनट का मध्याह्न का समय होगा। इस दौरान बच्चे एमडीएम खाएंगे, इसके बाद फिर से कक्षाओं का संचालन 12:20 बजे तक होगा तथा 12:20 के बाद अगले दस मिनट तक शिक्षक व प्रधानाध्यापक अगले दिन की पाठ्य योजना तैयार करेंगे। स्कूलों के मॉर्निंग संचालन की जानकारी मिलते ही छात्रों तथा शिक्षकों में खुशी व्याप्त है। गौरतलब हो कि गर्मी के मौसम में तल्ख धूप व बदन को झुलसा देने वाली लू के कारण पूरे दिन स्कूलों का संचालन मुश्किल होता है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई आधार अनुश्रवण समिति की बैठक

आधार कार्ड के अभाव में योजनाओं से वंचित हो रहा है अनुसूचित वर्ग: डीएम

♦ लापरवाही के आरोप में संबंधित अधिकारी से शो-कॉज, विशेष अभियान चला आधार निर्माण में तेजी लाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में सबसे पहले जिलाधिकारी ने सभी को बताया कि सरकार की सभी महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी योजनाओं में आधार कार्ड की अनिवार्यता है। जिस कारण सभी का आधार कार्ड होना जरूरी है।

जिलाधिकारी ने कहा कि समीक्षा के क्रम में ज्ञात हुआ है कि वर्तमान में बहुत से आधार केंद्र क्रियाशील नहीं हैं। आंगनबाड़ी व स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए उनके अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, छात्रों का आधार कार्ड नहीं बनने से वे भी लाभकारी योजनाओं से वंचित हो रहे है।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि महादलित टोला के अधिकांश लोग का आधार कार्ड अब तक नहीं बना है। जिससे सरकारी योजनाओं के लाभ लेने से उक्त टोलों के लोग वंचित हो रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि इससे ऐसा लग रहा है कि कार्यकारी एजेंसी द्वारा आधार कार्ड निर्माण कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है। कार्य एजेंसी एमकेएस इंडियन पोस्टल पेमेंट बैंक एवं बैंक द्वारा किए जा रहे आधार पंजीकरण एवं अपडेशन के कार्यों का प्रचार प्रसार व्यापक रूप से नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कार्य में लापरवाही के लिए संबंधित पदाधिकारी से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया तथा आधार कार्ड निर्माण में तेजी लाने व आधार निर्माण प्रकिया को आसान बनाने का निर्देश दिया।

महादलित टोलों में लगने वाले शिविर में पूर्ण करें आधार पंजीकरण: जिलाधिकारी ने डाक अधीक्षक को निर्देश दिया कि 14 अप्रैल से महादलित टोलो में आयोजित होने वाले शिविर में आईपीपीएस के माध्यम से छूटे हुए लोगों का आधार पंजीकरण का कार्य पूर्ण करेंगे। उन्होंने कहा कि आधार पंजीकरण के अभाव में महादलित समुदाय के लोग सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे है। जबकि सरकार द्वारा इस समुदाय के लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसका लाभ वे आधार कार्ड के अभाव या आधार सीडिंग नहीं होने से उठा नहीं पा रहे है।

आधार कार्ड के अभाव में लक्ष्य से भटका अपार कार्ड निर्माण : बता दें कि केन्द्र सरकार द्वारा देश भर के छात्रों के लिए अपार कार्ड बनाया जा रहा है। इसके लिए छात्रों के पास आधार कार्ड होना जरूरी है, लेकिन आधार कार्ड नहीं बनने के कारण अधिकांश छात्रों का अबतक अपार कार्ड का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है। जबकि शिक्षा विभाग के साथ ही स्थानीय प्रशासन द्वारा भी अपार कार्ड निर्माण में तेजी लाने का निर्देश समय-समय पर स्कूलों को दिया जा रहा है।

आधार केन्द्र पर मच रही है आपाधापी : दूसरी तरफ जिलेभर में संचालित हो रहे आधार केन्द्रों पर आपाधापी मच रही है। लोग अपने तथा बच्चों के आधार कार्ड बनवाने या अपडेशन के लिए खासे परेशान हो रहे हैं। किसी भी केन्द्र पर लोगों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। यहां तक की कई केन्द्रों पर बिना लाइन के ही लोग पहले अपना आधार कार्ड बनवाने के लिए होड़ मचाए रहते है। जिससे आधार केन्द्रों पर मौजूद कर्मियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, लोगों को भी फजीहत झेलनी पड़ रही है, लेकिन जिलाधिकारी द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद अब लोगों में इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही आधार कार्ड निर्माण व अपडेशन की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

कार्ययोजना बना बच्चों का बनाएं आधार कार्ड

जिलाधिकारी ने डीआरडीए के निदेशक को निर्देश दिया कि विशेष कार्य योजना तैयार करते हुए आंगनबाड़ी केंद्र व विद्यालय के बच्चों का आधार कार्ड बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रायः ऐसी जानकारी मिल रही है कि आधार कार्ड बनवाने के लिए आंगनबाड़ी व स्कूलों के छात्रों तथा उनके अभिभावकों को काफी परेशान होना पड़ रहा है तथा उन्हें कई-कई दिनों तक आधार कार्ड केन्द्र का चक्कर लगाना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित आधार पंजीकरण केंद्रों का सतत अनुश्रवण कर किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्रवाई करें।

मिल गया मोहित : बेटे को देखते ही भर आई भोला केशरी की आंखें

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के ओंकार नाथ केशरी उर्फ भोला केशरी की आंखें उस समय भई आईं जब उन्होंने दो दिन से गायब बेटे मोहित को देखा। बेटे को देखते ही उन्होंने उसे गले लगाया और पुचकारा। वहीं, पिता को देख मोहित भी अपने आप को रोक न सका और वो भी रोने लगा। यह दृश्य देख आसपास खड़े लोग भी भावुक हो गए। यह घटना मुंबई स्थित वर्ली तट के समीप हाजी अली दरगाह इलाके की हैं। जहां पर डुमरांव के 12 साल के किशोर को बरामद किया गया।

बताया जाता है कि मोहित मां की डांट से नाराज हो घर छोड़ा था। वह, जिस ट्रेन से मुंबई गया था संयोग से उसी ट्रेन से डुमरांव का एक युवक भी मुंबई गया था। स्टेशन पर उतरने के बाद मोहित अभी प्लेटफार्म पर बैठा ही था कि उक्त युवक की नजर मोहित पर पड़ी तथा उसने मोहित से पूछताछ कर यह तस्दीक करने के बाद कि वहीं, डुमरांव से गायब हुआ मोहित है, उसके पिता को वीडियो कॉलिंग कर यह बताया कि मोहित मुंबई चला आया है। शुक्रवार की सुबह जानकारी मिलने के बाद से मोहित को लाने के लिए पुलिस टीम के साथ परिजन फ्लाइट से मुंबई के लिए रवाना हो गए है।

डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू नाथ ने बताया कि बुधवार को भोला केशरी का बेटा मोहित राज सकुशल बरामद कर लिया गया। उन्होंने बताया कि किशोर को वहां से लाने के लिए एक टीम भेजा गया है। जल्द ही उसे सकुशल डुमरांव लाया जाएगा। साथ ही, उसके साथ उसके परिजनों की काउंसिलिंग भी की जाएगी।

8 को मनेगा श्रीराम ओझा मेधा सम्मान समारोह

ब्रह्मपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीराम ओझा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बोर्ड परीक्षा में असाधारण प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में श्रीराम ओझा मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। विकास पुरुष के रूप में याद किए जाने वाले तथा राजनीतिक सुचिता के प्रतीक रहे रघुनाथपुर के पूर्व मुखिया स्व. श्रीराम ओझा की पुण्य स्मृति में यह समारोह आठ अप्रैल को तुलसी स्थान, रघुनाथपुर में आयोजित की गई है। इस आशय की जानकारी देते हुए स्व. ओझा के पुत्र ट्रस्ट के शैलेश ओझा ने बताया कि वे अपने जीवन काल में प्रतिभाव व मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करते थे। शैलेश ने कहा कि पिताजी से ही प्रेरित होकर ट्रस्ट द्वारा हर साल प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया जाता है।

2.5 लाख की शराब के साथ 7 गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

रेल मार्ग के जरिए हो रही शराब तस्करी पर लगाम कसने के उद्देश्य से गुरुवार की रात बक्सर रेल थाना और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने सीमांचल एक्सप्रेस (12488) में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान शराब तस्करी में लिप्त सात युवकों को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी के दौरान ट्रेन की एस-4 बोगी के शौचालय के पास और अन्य स्थानों से कुल 20 बैगों में रखी गई 259.17 लीटर विदेशी शराब और बीयर बरामद की गई, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 2 लाख 59 हजार रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार तस्करों में नेउरा पटना के विकास कुमार, रवि टोला आरा के टुन्ना, वैशाली के जमदाहा के अमरेश कुमार, मनेर पटना के अक्षय कुमार, जमीरा आरा के विश्वकर्मा कुमार, भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के महतबनिया के पप्पू कुमार आरा के अभिषेक कुमार शामिल है।

शुक्रवार की सुबह सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस तस्करी रैकेट के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

कवयित्री डॉ. मीरा की बाल कविता संग्रह को भोपाल में मिला पुरस्कार

केटी न्यूज/डुमरांव

मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है..., पंक्तियों को चरितार्थ करती हैं चर्चित कवयित्री मीरा सिंह मीरा। उनकी बाल कविता संग्रह को भोपाल में पुरस्कार मिला है।

गौरतलब हो कि असाहित्यिक माहौल में रहकर सतत साहित्य सृजन करना नामुमकिन नहीं तो मुश्किल कार्य आवश्यक है। बात अगर महिला कामकाजी सृजनधर्मी की हो तो, असंभव ही लगता है। परंतु कहते हैं इच्छा शक्ति के आगे सब अवरोध बौने पड़ जाते हैं। शिक्षिका, साहित्यकार व कवयित्री मीरा इसकी बेहतर उदाहरण हैं। वयस्क साहित्य के साथ बाल साहित्य पर भी इनकी अच्छी पकड़ है, कलम के माध्यम से राष्ट्रीय साहित्याकाश में अपनी विशेष पहचान बनाने में सफल रहीं हैं। दो मार्च 2025 को मध्य प्रदेश की राजधानी षोपाल में आयोजित हिंदी लेखिका संघ का 30 वां वार्षिक कीर्ति पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 2024 -25 में, जो पंडित रविशंकर शुक्ला सभागार हिंदी भवन में आयोजित था। इनकी बाल कविता संग्रह बच्चों की दुनिया को सुषमा तिवारी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए नामित था। व्यक्तिगत कारणों से उस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाई थी। संस्था की प्रांताध्यक्षा डॉ. कुंमकुम गुप्ता ने पुरस्कार राशि ऑनलाइन के माध्यम से और अंग वस्त्र के रूप में शॉल, माला एवं स्मृति चिन्ह पार्सल के द्वारा उन्हें प्राप्त हुआ।

बोले प्रदीप राय... शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाना है उदेश्य

राज्यपाल के हाथों आज बक्सर होगा में बिरला ओपन माइंड्स स्कूल का उद्घाटन, तैयारी पूरी

केटी न्यूज/बक्सर

बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस व वैष्णवी ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बक्सर में बिरला ओपन माइंड्स स्कूल का उदघाटन किया जाएगा। इसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां करेंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।

वैष्णवी ग्रुप, बक्सर के चेयरमैन प्रदीप राय ने बताया कि यह विद्यालय बक्सर में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के उदेश्य से किया जा रहा है। उद्घाटन के मौके पर राज्यपाल के साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार सरकार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अशोक चौधरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, औरंगाबाद के पूर्व सांसद शुशील सिंह, झारखण्ड उच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस एसएन पाठक व पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेयजी महाराज उपस्थिति रहेंगे।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक ई. अंकुर राय ने बताया कि इस उद्घाटन का विद्यालय परिवार एवं समस्त जिलावासियों को बेसब्री से इंतजार था। बिरला ग्रुप के सुयोग्य शिक्षकों के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एवं पूर्णतः वातानुकुलित यह विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कक्षा छह से ही आईआईआई एवं मेडिकल, एनआईआईटी की परीक्षाओं के लिए प्रिपेयर किया जाएगा। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए विद्यालय में स्थित बिरला स्पोर्ट्स अकादमी पूर्ण रूप से निःशुल्क रहेगा, जिसमें बच्चों को हॉर्स राइडिंग, शूटिंग रंगे, स्विमिंग पूल, फुटबॉल, क्रिकेट, टेनिस और वॉलीबॉल का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुल मिलाकर बक्सर में शिक्षा के क्षेत्र में यह स्कूल मिले स्टोन साबित होगा। इस दौरान विधि व्यवस्था के मद्देनजर बक्सर पुलिस लाइन के अलावे रोहतास व कैमूर से भी अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ जिले में संपन्न हुआ लोक आस्था का महापर्व चैती छठ, तैनात रहा प्रशासन

♦ गंगा घाटों पर की गई थी नाव के साथ प्रशिक्षित गोताखोर, महाजाल आदि की व्यवस्था

केटी न्यूज/बक्सर

लोक आस्था का महापर्व चैती छठ शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया। दूसरे अर्घ्य के लिए अहले सुबह से ही व्रती तथा उनका परिवार गंगा समेत अन्य निर्धारित घाटों पर पहुंच गये थे तथा जैसे ही भगवान भास्कर के दर्शन हुए व्रतियों ने गंगा तथा अन्य जलाशयों में खड़े हो उन्हें अर्घ्य अर्पित किए। इसके बाद ही उनका चार दिवसीय अनुष्ठान व 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत संपन्न हुआ।

सुबह के अर्घ्य के बाद ही व्रतियों ने प्रसाद का पारण कर व्रत के विधानों को पूरा किया। इस दौरान घाट छठ के मधुर संगीतों से गुंजायमान रहे। छठ के गीतों के कारण जिलेभर में माहौल छठमय बन गया था। इसके पूर्व व्रतियों ने गुरूवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया था। सूर्य को अर्घ्य देने के लिए जिला मुख्यालय स्थित रामरेखा घाट, जहाज घाट, नाथ घाट, सती घाट, सुमेश्वर स्थान घाट समेत कई अन्य घाटों पर व्रतियों का जमावड़ा लगा रहा। सबसे अधिक भीड़ ऐतिहासिक रामरेखा घाट पर रही।

काबिले तारीफ रही प्रशासनिक व्यवस्था : लोक आस्था के इस महापर्व के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी काबिले तारीफ रही। सभी घाटों पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावे किसी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए गंगा घाटों पर नाव के साथ ही प्रशिक्षित गोताखोर, महाजाल आदि की व्यवस्था की गई थी। छठ के दौरान पुलिस व प्रशासन के वरीय अधिकारी घाटों पर मुश्तैद हो निगरानी करते रहे। इसके अलावे शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही थी। हालांकि, महापर्व शांतिपूर्ण संपन्न हो गया।

डुमरांव में भी दिखा उत्साह, आकर्षण का केन्द्र बना रहा छठिया पोखरा : चैती छठ के दौरान डुमरांव में भी व्रतियों में उत्साह देखा गया। भीषण गर्मी की परवाह छोड़ इस बार बड़ी संख्या में लोगों ने चैती छठ किया। इस दौरान छठ के लिए चर्चित शहर का छठिया पोखरा आकर्षण का केन्द्र बना रहा, जहां बड़ी संख्या में व्रती परिवारों ने छठ किया। इस दौरान नगर परिषद प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर छठिया पोखरा समेत अन्य तालाबों की बैरेकेडिंग करवाई गई थी। वहीं, पूरे शहर में विशेष सफाई अभियान चला शहर को साफ सुथरा किया गया था। शाम व सुबह के अर्घ्य के दौरान छठ घाटों पर जाने वाले श्रद्धालुओं का तांता लग गया था। इस दौरान छठ घाटों के अलावे शहर के चिन्हित जगहों पर पुलिस प्रशासन मुश्तैद रही। चैती छठ शांतिपूर्ण संपन्न होने से प्रशासन ने भी राहत की सांस ली है।

खबरें फटाफट

पीएचडी की उपाधि से सम्मानित हुई डुमरांव की वंदना भगत

डुमरांव। नगर के वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद भगत की पोती व वरिष्ठ पत्रकार सह भाजपा नेता राजीव भगत की पुत्री वंदना कुमारी भगत, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य विद्यार्थी परिषद एवं युवा भाजपा नेत्री को मगध विश्व विद्यालय बोधगया के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। गुरुवार को मगध विश्व विद्यालय बोध गया के जंतु विज्ञान विभाग के सभागार में, द इंपैक्ट ऑफ साईपरमेटरिन इन हैट्रोपन्यूट्स फासिलिस विषय पर अपना शोधपत्र को प्रस्तुत किया गया। मालूम हो कि वंदना कुमरी भगत ने वीकेएसयू आरा से परास्नातक जूलॉजी से किया था। इनके शोध के दौरान कई शोध पत्रों का प्रकाशन पत्र पत्रिकाओं में हो चुका है।

एक सप्ताह से अनियमित बना हुआ है मौसम, फसल बचाने में जुटे जिले के ग्रामीण

बारिश व ओलावृष्टि का डर: गेहूं कटाई में आई तेजी, हार्वेस्टर के भरोसे हैं किसान

केटी न्यूज/बक्सर

इस बार गेहूं का बेहतर उत्पादन हुआ है। किसानों की मेहनत व खेती के समय मौसम के अनुकूल होने से बंपर पैदावार की उम्मीद बनी हुई है। फसल अब पककर तैयार हो गई है तथा कटनी भी शुरू हो गई है। लेकिन, बंपर उत्पादन के बावजूद किसानों की चिंता बढ़ी हुई है।

दरअसल पिछले एक सप्ताह से मौसम अनियमित बना हुआ है। आकाश में बादलों की अठखेलियों के बीच आंधी-पानी व ओला वृष्टि की आशंका बनी हुई है। जिस कारण किसान सहमें हुए है तथा खेतों में तैयार हो चुकी गेहूं की फसल को शीघ्र काटकर फसल को सुरक्षित करने की जुगत में जुटे है। इस कारण पूरे जिले में गेहूं की कटनी में युद्ध स्तर पर तेजी आई है। किसान जल्दी से जल्दी अपनी फसल को काटकर अनाज का सुरक्षित भंडारण करने की कोशिश कर रहे है। इसके लिए लिए किसानों द्वारा इस बार हार्वेस्टर का सहारा लिया जा रहा है। अधिकतर किसान हार्वेस्टर के सहारे फसल की कटनी कर रहे है, इसके बाद जिन्हें पशुचारा के लिए भूसा की जरूरत है वे रीपर मशीन के सहारे फसल अवशेष से भूसा भी बनवा रहे है।

बता दें कि अभी तक 50 प्रतिशत गेहूं की कटनी भी नहीं हो पाई है, इधर मौसम लगातार अनियमित बना हुआ है। चैत के महीने में तेज धूप व लू की जगह आसमान में रह रहकर बादल छा जा रहे है, जिस कारण किसान काफी सहमे हुए है।

दियारा क्षेत्र में भी बढ़ी हार्वेस्टर की डिमांड : अबतक शहरी क्षेत्र या बड़े व संभ्रांत किसानों द्वारा ही फसल कटनी के लिए हार्वेस्टर का उपयोग किया जाता रहा है, जबकि प्रायः छोटे किसान मजदूरों के सहयोग से ही फसल की कटाई करवाते रहे है। जबकि इस बार ट्रेंड बदला है तथा छोटे व ग्रामीण क्षेत्र के किसान भी कृषि के आधुनिक तकनीक व उपकरणों का सहारा ले रहे है। ब्रह्मपुर प्रखंड के जवही दियरा में भी इस बार बड़े पैमाने पर किसान हार्वेस्टर का उपयोग कर रहे है। रह रहकर हल्की-फुल्की बूंदाबांदी के बीच किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई दे रही हैं। जवही के बीडीसी मुन्ना यादव का कहना है कि किसानों के हाथ छाती पर हैं। साल भर की मेहनत एक झटके में बर्बाद होने की कगार पर है।

किसानों का कहना है कि खेती ही उनकी जीविका का एकमात्र स्रोत है। ओमप्रकाश यादव और मंटू यादव जैसे किसानों ने कर्ज लेकर 20 हजार बीघा मालगुजारी की जमीन पर खेती की है। सिंचाई के खर्च के साथ-साथ फसल की देखरेख में भी भारी मेहनत और पैसा लगा है। ओमप्रकाश ने बताया, अगर बारिश तेज हुई तो सब कुछ चौपट हो जाएगा। कर्ज का बोझ और बढ़ेगा। मौसम की बेरुखी से आजीविका पर संकट गहराता जा रहा है।

गेहूं की फसल कटाई को लेकर दिन में 6 घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

नावानगर। गेहूं की फसल कटाई का कार्य शुरू हो चुका है। इसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में दिन में सुबह 11 से शाम 5 बजे तक अर्थात छह घंटे बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया है। इसकी जानकारी वासुदेवा फीडर के जेई विपिन किशोर ने दिया। बिजली के कारण गेहूं फसल में होने वाली आगजनी की घटनाएं नहीं हो सके, इसको ध्यान में रख यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि यदि निर्धारित समय में तेज हवा नहीं चलती है तो, उस परिस्थिति में दोपहर को भी बिजली आपूर्ति जारी रहेगी। बता दें कि क्षेत्र में गेंहू की फसल पक कर तैयार हो चुकी है। इसकी कटाई का सीजन भी लगभग शुरू हो चुका है। हर साल गेंहू की फसल में आगजनी की घटनाएं तकरीबन देखने को मिलती हैं। कभी कभार खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की तारें भी अगलगी का कारण बन जाती है। यदि बिजली की तारें आपस में टकरा जाती है, तो उनसे निकलने वाली चिगारी खेत में खड़ी फसल को राख कर सकती है। जिससे किसानों की मेहनत कुछ ही समय में बर्बाद हो जाती है। इसी कारण से बिजली विभाग ने कटाई के सीजन में दिन के समय बिजली बंद करने का निर्णय किया है। ताकि किसानों की मेहनत पर बिजली विभाग की ओर से कोई आंच न आए। क्षेत्र में कई खेत ऐसे हैं। जिनके ऊपर से बिजली की हाइटेंशन तारें गुजर रही हैं। ये तारें बहुत ढीली भी हैं। तेज हवाओं के चलने से ये तारें आपस में टकराती रहती हैं। इनके टकराने से चिगारी उत्पन्न होती है और इससे नीचे खड़ी फसल में आग लगने की संभावना रहती है। इस स्थिति को देखते हुए ही बिजली विभाग ने यह व्यवस्था की है।

एक नजर

सामाजिक मंच ने उठाए सवाल... होल्डिंग टैक्स रेट कैसे और कहां से लाया गया, बताए नप

डुमरांव। नगर के एक सभागार में होल्डिंग टैक्स को लेकर सामाजिक मंच की तरफ से एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेसवार्ता में सामाजिक मंच के सदस्यों सहित नगर के बुद्धीजीवी लोग मौजूद रहे। इस दौरान सभी ने अपनी-अपनी बातों को रखा। मंच के संयोजक प्रदीप शरण ने डुमरांव नगर परिषद द्वारा जबरन थोपे गए होल्डिंग टैक्स पर कटाक्ष करते हुए कहा कि होल्डिंग टैक्स के रेट कहवां से आईल..., उन्होंने कहा कि यह टैक्स नगर परिषद कहां से लाकर डुमरांव वासियों पर लाद दिया है, इसका कोई जवाब नहीं दे रहा है। टैक्स की जानकारी देने के लिये पिछले साल के नवंबर माह में नप ईओ मनीष कुमार को एक मांग पत्र भी सौंपा गया था, लेकिन छह माह बितने के बाद भी नहीं दिया गया। फिर इनको जवाब देने के लिये 5 अप्रैल 2025 तक का समय दिया गया है। तय सीमा पर जवाब नहीं दिया जाताह है तो मंच धरना-प्रदर्शन के साथ ही आमरण अनशन शुरू करेगा। सामाजिक मंच ने सवालों के जवाब में बताया कि मानक नियम को दरकिनार करते हुए बजट को पास कर दिया है। बजट पास करने से पहले प्रावधानों के तहत आम नागरिकों के साथ बैठक कर अस्पतालों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, स्कूल, कॉलेजों, सरकारी संस्थानों के साथ निजी शिक्षण संस्थानों के संबंध में आम राय को अंकित किया जाता है, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। लिहाजा लाए गए बजट को रद्द करते हुए नए सिरे से इस पर काम किया जाए। इतना ही नहीं मंच द्वारा 28 मार्च 2025 को एक पत्र नप ईओ मनीष कुमार को दिया गया था, लेकिन उसका जवाब तक नहीं दिया गया। नप को डुमरांव शहर सहित विस्तारित क्षेत्र की जनता के साथ विश्वसघात करने नहीं दिया जाएगा। 5 अप्रैल तक जो भी जानकारी मंच द्वारा मांगा गया है, नहीं दिया जाता है तो धरना, प्रदर्शन और आमरण अनशन शुरू कर दिया जाएगा। इसकी सारी जवाबदेही नप की होगी।

लापरवाही की पुष्टि होने पर राजस्व कर्मियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: एसडीएम

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने शुक्रवार को स्थानीय अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दाखिल खारिज, परिमार्जन, आम जनता से मिले शिकायतों आदि की जांच की तथा उसे निर्धारित समय के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया।

इस दौरान एसडीएम ने सभी राजस्वकर्मियों के लागिंग की जांच कर इस बात की तस्दीक की कि किस राजस्वकर्मी के पास दाखिल खारिज व परिमार्जन के कितने मामले लंबित है। उन्होंने निर्धारित समय के अंदर दाखिल खारिज, परिमार्जन, मापी तथा शिकायतों का निपटारा करने का निर्देश दिया और कहा कि समय सीमा के अंदर आवेदनों का निष्पादन नहीं करने वाले तथा जांच या आम जनता की शिकायत की पुष्टि होने के बाद संबंधित राजस्वकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने दाखिल खारिज व परिमार्जन के वापस किए गए आवेदनों की जांच कर इस बात की जानकारी ली कि आखिर किन कारणों से इन आवेदनों को वापस किया गया है। एसडीएम ने सीओ खुशबू खातून को सभी मामलों का समय से निष्पादन करने का निर्देश दिया और कहा कि आम जनता को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े तथा जमीन विवाद जैसे मामले कम हो इस बात का खास ख्याल रखना है।

चार दिनों के अंदर बीज वितरण का कार्य पूरा कराना करें सुनिश्चित: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में कृषि विभाग के कार्यों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कार्यान्यवन, अनुश्रवण एवं शिकायत निवारण समिति एवं अंर्तविभागीय कार्य समूह (फसल अवशेष प्रबंधन) की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर अवस्थित कार्यालय कक्ष में की गई।

गरमा बीज वितरण की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि चार दिनों के अंदर बीज वितरण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत शेष 1045 बचे हुए किसानों का ई-केवाईसी यथाशीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा निदेशित किया गया कि पराली जलाने की घटना घटित होने पर संबंधित किसान समन्वयक, किसान सलाहकार की जवाबदेही निर्धारित करते हुए कारवाई की जाएगी। साथ ही पराली प्रबंधन के लिए संयंत्र यथा हैप्पी सीडर, सुपर सीडर आदि का किसानों एवं कस्टम हायरिंग सेंटर द्वारा अधिक से अधिक प्रयोग किए जाने हेतु अनुश्रवण करने का निदेश दिया गया।

जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन हेतु संध्या चौपाल का आयोजन कर किसानों को जागरूक करें, प्रचार-प्रसार, जनप्रतिनिधि के साथ बैठक करें। साथ ही फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्परिमाण से अवगत कराने का निर्देश दिया गया। लूज एवं नंगे तारों के कारण आज की घटनाओं पर नियंत्रण हेतु कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बक्सर को गहन अनुश्रवण हेतु निर्देशित किया गया।

एक हफ्ते से चल रहे प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ व श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन

हमेशा भगवान का स्मरण रखना हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है: किशोरी प्रज्ञा पांडेय

केटी न्यूज/नवानगर

प्रखंड के स्थानीय गांव स्थित पड़ाव पोखरा पर बने विश्वकर्मा मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के अवसर पर विगत एक हफ्ते से श्रीमद् भागवत कथा चल रहा था। जिसका समापन गुरुवार की रात्रि में हुआ। संगीत मय श्रीमद् भागवत कथा का रसपान सुश्री किशोरी प्रज्ञा पांडेय अयोध्या धाम के द्वारा कराया गया।

अंतिम दिन किशोरी प्रज्ञा पांडेय ने विश्राम दिवस में सुदामा चरित्र की कथा वर्णन किया। बताया गया कि भगवान को भूल जाना सबसे बड़ी विपत्ति का कारण है और भगवान का स्मरण रखना सबसे बड़ी संपत्ति है। और दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात सुदामा जी गरीब एवं दरिद्र नहीं थे बल्कि आमिर थे। क्योंकि कहा जाता है कि जिसके पास संतोष है, चाहे उसके पास कुछ भी नहीं हो। उसे एक प्रकार से आमिर कहते हैं। और कोई कितना भी अमीर क्यों न हो अगर उसके पास संतुष्टि नहीं है उसे ही गरीब कहा गया है। इस तरह उन्होंने अपने मुखारविंद से अनेक को मारने की बातें वर्णन की। कथा सुनने के लिए श्रोताओं का भीड़ रहा समिति द्वारा कथा सुनाने आए श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो जिसके लिए तत्परता दिखाई साथ ही शांति व्यवस्था को ले स्थानीय पुलिस प्रशासन की भी पैनी नजर रही।

इस आयोजन से इलाके का माहौल भक्तिमय बना हुआ था। स्थानीय ग्रामीण इस आयोजन को सफल बनाने के लिए काफी सक्रिय रहे। वहीं, वैदिक मंत्रोच्चार, मांगलिक गीतों व प्रवचन से इलाके में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही थी। मौके पर कमिटी के मंगल सिंह, जगरोपन शर्मा, रवि शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, झूनर सिंह, पैक्स अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, रवि यादव, सत्येंद्र सिंह, मंगल शर्मा, रामजी, मुन्ना सिंह, राजू चौरसिया, शिवजी शर्मा, संजय शर्मा, सुनील शर्मा, दिनेश फैशन, सागर खतरी, सोनू शर्मा सहित समस्त ग्रामीण जनता एवं क्षेत्रीय लोगों का सहयोग बढ़ चढ़कर एवं सराहनीय रहा।

अजीमाबाद थाना क्षेत्र के करवासिन के सतियारा टोला गांव में हुई घटना

रुपये के विवाद में पत्नी को पीट पीटकर मार डाला, शव जलाया

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के अजीमाबाद थाना क्षेत्र के करवासिन के सतियारा टोला गांव में एक युवक ने अपनी पत्नी की ही हत्या कर दी। घरेलू खर्च के लिए रुपये के विवाद में मारपीट करने के बाद गला दबाकर उसने अपनी पत्नी को मार डाला। साक्ष्य मिटाने के लिए शव को सोन किनारे जला दिया गया। मृतका करवासिन सतियारा टोला गांव निवासी गेनू कुमार की 22 वर्षीय पत्नी सावित्री कुमारी थी। घटना बुधवार (दो अप्रैल) की रात की है। इधर, महिला के मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर सोन किनारे चिता से महिला की जली हड्डी भी जब्त की गयी है। इस आधार पर पुलिस मामले की आगे की तफ्तीश में जुटी है। वैज्ञानिक तरीके से भी जांच की जा रही है। इसके लिए फॉरेंसिक एक्सपर्ट टीम की मदद ली जा रही है। घटना स्थल पर पहुंची एफएसएल की टीम की ओर से सैंपल भी कलेक्ट किया गया है। इधर, मामले की जांच में जुटी पुलिस महिला की पहचान के लिए चिता से जब्त हड्डी को डीएनए जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपित पति ने हत्या करने और शव जलाने की बात भी स्वीकार कर ली है। सावित्री कुमारी की शादी 2819 में हुई थी। उसे दो पुत्र और एक बेटी है। थानाध्यक्ष निवास कुमार के अनुसार इस मामले में महिला के भाई पटना के दुल्हिनगंज गांव निवासी धीरेंद्र कुमार के बयान पर पति सहित सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। इसके बाद कार्रवाई करते हुए आरोपित पति को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने रुपये के विवाद में हत्या करने और शव जलाये जाने की बात स्वीकार की गयी। मामले की छानबीन और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। मारपीट के बाद गला दबा मार डाला, फिर शव को जला दिया पुलिस के अनुसार आरोपित पति गेनू कुमार ने पूछताछ में हत्या की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में यह बात सामने आयी कि गेनू कुमार बाहर प्राइवेट काम करता था। शादी के बाद गेनू कुमार अपनी पत्नी को भी अपने साथ बाहर ही रहता था। अपनी तनख्वाह भी वह पत्नी के खाते में डाल देता था। इसे लेकर घर में अक्सर लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। घरेलू खर्च के लिए रुपये मांगने पर भी दोनों में विवाद होता रहता था। इधर, घर में उसकी दो बहन की शादी की बात चल रही थी। इसे लेकर घरवाले उससे रुपये की मांग कर रहे थे। गेनू रुपये मांगता था, तो उसकी पत्नी देने से मना करती थी।

सड़क पार कर रहे मजदूर की दुर्घटना में मौत

भोजपुर में बिहिया ब्रह्म बाबा के समीप गुरुवार की दोपहर सड़क पार कर रहे मजदूर की बाइक की ठोकर से मौत हो गई। इलाज के लिए देर रात पटना ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के दोघरा गांव निवासी स्व. शिवकुमार राम के 55 वर्षीय पुत्र कौशल राम थे। वह पोलदारी का काम करते थे। ?हादसे को लेकर अफरातफरी मची रही। इस बीच चालक बाइक छोड़ फरार हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है। उनके भतीजे चुन्नू कुमार ने बताया कि उसके चाचा रोज की तरह गुरुवार की सुबह भी पोलदारी का काम करने गये थे। दोपहर में वह घर लौटने के समय ब्रह्म बाबा के समीप सड़क पार कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार एक बाइक सवार ने उन्हें ठोकर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गये। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए पहले बिहिया और फिर आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालात देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। देर रात पटना ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

राज्यपाल आरिफ मो. आज राजभवन में करेंगे भोजपुरिया कैलेंडर का लोकार्पण

- भोजपुरी कैलेंडर को सर्जना न्यास ने किया है तैयार

केटी न्यूज/पटना

भोजपुरी भाषा, संस्कृति और लोककला के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत 5 अप्रैल को राजभवन में भोजपुरिया कैलेंडर का भव्य लोकार्पण किया जाएगा। राज्यपाल आरिफ मो. खान स्वयं इस विशेष अवसर पर कैलेंडर का अनावरण करेंगे।

इस अनूठे भोजपुरी कैलेंडर को सर्जना न्यास, आरा ने तैयार किया है, जिसे विश्व प्रसिद्ध चित्रकार संजीव सिन्हा ने डिजाइन किया है।

यह कैलेंडर भोजपुरी महीनों, शुक्लपक्ष-कृष्णपक्ष, पारंपरिक तिथियों और कैथी लिपि के पुनर्जागरण का एक सशक्त माध्यम बनेगा। कार्यक्रम का संयोजन रंगकर्मी, निर्देशक व पत्रकार ओ. पी. पांडेय कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन में भोजपुर के साथ-साथ दिल्ली, पटना, छपरा, बक्सर और बनारस से भी लोग शामिल हो रहे हैं। खास बात यह है कि कार्यक्रम में वे भोजपुरी अस्मिता की लड़ाई लड़ने वाले योद्धा भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने भोजपुरी भाषा की पढ़ाई बंद होने पर ऐतिहासिक आंदोलन कर इसे पुनः चालू कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।राजभवन में होने वाले इस आयोजन में केवल चुनिंदा लोगों को ही आमंत्रित किया गया है, जिससे इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। यह कैलेंडर न केवल भाषा और संस्कृति को संजोएगा, बल्कि भोजपुरी कला और पेंटिंग को भी एक नई पहचान देगा। इस आयोजन से भोजपुरी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को और मजबूती मिलेगी।

पवन श्रीवास्तव की मनाई गई जयंती

आरा। शहर के जेपी सेनानी, कवि और संस्कृतिककर्मी पवन श्रीवास्तव की 71वीं जयंती शुक्रवार को मनाई गई। जेपी स्मारक मुक्त-कला मंच कलेक्ट्रेट तालाब के पास उनकी तस्वीर पर जेपी स्मारक के उपाध्यक्ष रवीन्द्र त्रिपाठी और महासचिव सुशील कुमार ने माला चढ़ाकर नमन किया। मौके पर राजेंद्र मनियारा, प्रहलाद सिंह, अनिल सिंह, विजय कुमार, आलोक दीपक, अशोक मानव, सचिन सिन्हा, अमरेंद्र राय, अजय सिंह, वाशु कुमार, रंगकर्मी डॉ अनिल सिंह, अम्बुज सिंह, संजय पाल, अनिल तिवारी, राजू रंजन, लड्डू भोपाली, साहेब यादव, करण कुमार, अर्थदीप, लाल बहादुर लाल, चैतन्य निर्भय व मिथलेश पांडे समेत अन्य थे।

चोरी की मोबाइल के साथ आरपीएफ ने संदिग्ध को पकड़ा

आरा। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रकाश कुमार पंडा के आदेशानुसार आरपीएफ आरा की ओर से आरा जंक्शन पर चलाये जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के चोरी के मोबाइल के साथ एक संदिग्ध को पकड़ा गया। सहायक उप निरीक्षक प्रमोद कुमार भारती और आरक्षी गणेश कुमार राय व रंजीत कुमार ने स्टेशन पर गश्त के दौरान संदिग्ध को प्लेटफॉर्म नंबर 03 पर देखा। रोककर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम फैज आलम गुरहट्टी गली, थाना नगर और जिला भोजपुर बताया। उसने स्वीकार किया कि उसके पास से बरामद मोबाइल किसी यात्री से चुराया हुआ है।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कर्मियों ने पद प्रोन्नत की मांग को लेकर शुरू किया आंदोलन

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं सभी अंगीभूत महाविद्यालय के कार्यरत शिक्षकेतर कर्मचारियों ने शुक्रवार से विश्वविद्यालय मुख्यालय में घेरा डालो-डेरा डालो अभियान शुष किया। पद प्रोन्नति सहित विभिन्न मांगों को लेकर यह अभियान शुरू किया गया। इसकी जानकारी कर्मचारी शशिरंजन ने दी।

बताया कि 24 मार्च से ही 17 अंगीभूत महाविद्यालयों के कार्यरत शिक्षकेतर कर्मचारी अपने-अपने महाविद्यालय में उपस्थिति दर्ज करते हुए कार्य का बहिष्कार कर

रहे हैं। कर्मचारियों की एकमात्र मांग पद प्रोन्नत है। जब तक पद प्रोन्नत का अध्यादेश विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों की ओर से निर्गत नहीं होता है,आंदोलन चलता रहेगा। धरना में अभिजीत, पवन ओझा, अखिलेश कुमार, शेखर, सत्येन्द्र कुमार, धनंजय कुमार सिंह, राजकमल, अभिषेक पंकज, वीरेंद्र, सत्येन्द्र, संतोष चौबे, राजेश पाण्डेय, सहेंन्द्र, संतोष, शेखर, रामानुज तिवारी, राकेश, शत्रुघ्न , अनिल, रमेश राय, आशुतोष, विकास, जयवीर, कौशल, कमलेश्वर, धर्मवीर, राजीव, ब्रजेश, अजीत, राजेश ठाकुर, चिन्मय झा, समीर, राजू, प्रेम कुमार, वेंकटेश, अर्जुन, प्रदीप अन्य सभी शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद थे। कॉलेजों का कार्य रहा बाधित इधर, विश्वविद्यालय में घेरा डालो-डेरा डालो कार्यक्रम के तहत कर्मियों की ओर से धरना-प्रदर्शन किए जाने के बाद कॉलेजों में कार्यालय कार्य बाधित रहा। अधिकतर कॉलेजों के कार्यालयों में ताला लटका रहा।

रामनवमी शोभायात्रा के सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

अहंकार रहित होने पर होती है ईश्वर की प्राप्ति : संत

केटी न्यूज/आरा

श्रीरामनवमी शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत श्रीदेवराहाशिवनाथ दास महाराज के नेतृत्व में आज श्रीरामनवमी महोत्सव शोभायात्रा समिति के सदस्यों के लिए आज मैना सुन्दर धर्मशाला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह के पूर्व समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए संत श्रीदेवराहाशिवनाथदासजी महाराज ने कहा कि जब जीव विनम्र और अहंकार से रहित हो जाता है तब उसे ईश्वर की प्राप्ति होती है। हमारे प्रभु श्रीराम मर्यादित आचरण के और अहंकार रहित थे। वैसे प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव मनाने का हमलोगों को सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अतैव हमलोगों को भी भगवान

श्रीराम के आदर्श का अनुकरण करना चाहिए। संतश्री ने आगे कहा कि भगवान राम का अवतरण इस धरा-धाम पर असुरों का मर्दन करने के लिए और धर्म की स्थापना करने के लिए हुआ है। इसलिए मैं सभी रामभक्तों से अपील करता हूं कि सभी रामभक्त आगामी 6 अप्रैल को मर्यादित तरीके से लाखों लाख की संख्या में भाग लें। वहीं समिति के महासचिव श्रीशंभू प्रसाद चौरसिया ने कहा कि शोभायात्रा की सारी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। हमलोग सभी रामभक्त से अनुरोध करते हैं कि आप लोग अनुशासित होकर शोभायात्रा में भाग लें,ताकि यह भव्य शोभायात्रा ऐतिहासिक हो सके।

हम सभी माताओं-बहनों से अनुरोध करते हैं कि आप सभी लोग भी इस भव्य शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लें।वहीं इस दौरान अखंडानंदजी, दांडी बाबा,बड़ी मठिया के महंत अयोध्या दासजी,उपाध्यक्ष सह मंच व्यवस्था प्रमुख बिभु जी, उपाध्यक्ष सह ग्रामीण अध्यक्ष सन्नी पांडे, झांकी प्रमुख शंभू सिंह, संजय कनोडिया, व्यवस्था प्रमुख अजय गुप्ता, धर्मशाला प्रमुख मनीष कुमार, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, सहकोषाध्यक्ष गोकुल सिंह, स्टार प्रचारक सरोज पांडेय, सुरक्षा प्रमुख राजेश्वर पासवान, हरिओम सिंह, सचिव सुधीर सिंहजी, सैलेंद्र, रथ सजावट प्रमुख विक्की, राहुल कुमार, रितिक प्रमार, संतोष, हिमांशू कुमार केशरी, राज नंदे, अभिषेक केशरी, सोनेलाल, हरेंद्र, सह नगर रामलीला समिति अध्यक्षा अर्चना सिंह, डाक्टर विजय कुमार गुप्ता, डाक्टर केएन सिन्हा, डाक्टर विकास सिंह,मेजर राणा प्रताप, शंभु सिंह, रोहित सिंह बजरंगी सहित कई अन्य राम भक्त उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

25 साल का हुआ आरएमएस खूंटाडीह स्कूल, एआइ और रोबोटिक्स लैब की होगी शुरुआत

जमशेदपुर, एजेंसी। सोनारी स्थित आरएमएस खूंटाडीह स्कूल 25 साल का हो गया. स्कूल की स्थापना के 25 साल होने के उपलक्ष्य में अगले एक साल तक स्कूल में शैक्षणिक, सामाजिक व सांस्कृतिक धरोहरों पर आधारित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे. इसकी शुरुआत पांच अप्रैल से हो रही है. स्कूल की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया. जिसमें स्कूल की स्थापना से लेकर अब तक के सफर पर विस्तृत चर्चा की गयी.

इस दौरान स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजय केडिया ने कहा कि 2001 में 169 बच्चों के साथ हिंदी मीडियम से स्कूल की शुरुआत की गयी थी. जहां पहली से पांचवीं तक की पढ़ाई होती थी. वहीं, 2002 में अंग्रेजी मीडियम स्कूल की शुरुआत सिर्फ 51 बच्चों के साथ हुई थी. आज स्कूल को सीबीएसई बोर्ड की संबद्धता मिल गयी है, जिसमें 1400 बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल कर रहे हैं. इस दौरान प्रिंसिपल डॉ परिणिता शुक्ला ने कहा कि स्कूल को अपग्रेड करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है. स्कूल में एआइ व रोबोटिक्स लैब की शुरुआत की जा रही है. इस अवसर पर बताया कि हर साल 75 गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप दी जाती है. इस अवसर पर राजस्थान मैत्री संघ के सचिव सुशील अग्रवाल भी उपस्थित थे.

तिलक लगा कर व फूल बरसा कर विद्यार्थियों का स्वागत

बोकारो, एजेंसी। कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन ढोरी व फुसरो के विद्यालय में गुरुवार को हवन पूजन के साथ नये सत्र 2025-26 का शुभारंभ हुआ. विद्यालय के मुख्य द्वार पर छात्र-छात्राओं को तिलक व फूलों के साथ स्वागत

किया गया. तत्पश्चात सरस्वती वंदना, हनुमान चालीसा, सामूहिक सुंदरकांड का पाठ एवं हवन के साथ नये सत्र 2025-26 का शुभारंभ किया गया. मौके पर प्रधानाचार्य रणसुमन सिंह, सचिव धीरज कुमार पांडेय, शिक्षक नित्यानंद मिश्रा, देवाशीष ओझा, शैलेंद्र सिंह, शिवपूजन सोनी, कुमार गौरव, जय गोविंद प्रमाणिक, मंतोष प्रसाद, प्रदीप कुमार महतो, शिक्षिका शैलबाला कुमारी, विभा सिंह, संजू ठाकुर, अनिता कुमारी, वीणा कुमारी, सुषमा कुमारी, प्रचार प्रसार प्रमुख ऋषिकेश तिवारी, प्रीति प्रेरणा सिंह आदि मौजूद थे. इधर. अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर फुसरो में सत्र 2025-26 का शुभारंभ हुआ. मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा, शिक्षक दिवाकर पांडेय, नवल किशोर सिंह, साधन चंद्रधर, राकेश कुमार सिंह, दिवाकर पांडेय, रवि कुमार सोनी, किशोर कुमार, रवि कुमार मोदी, उमाशंकर, शिक्षिका रंजू झा, निभा सिन्हा, भगवंती नोनिया, श्रेया बरनवाल, मिशा कुमारी, अनिमा कुमारी, मुस्कान कुमारी, पायल कुमारी, पूजा कुमारी, श्वेता शर्मा, अपर्णा कुमारी सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्टाफ क्वार्टर ढोरी में भी हवन पूजन के साथ नये सत्र का आरंभ हुआ. मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य परमानंद सिंह सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं तता छात्र व छात्राएं मौजूद थे.

निगम के 12 सुपरवाइजरों को हाइकोर्ट से स्टे नहीं मिलने से सेवा समाप्त

धनबाद, एजेंसी। नगर निगम में कार्यरत 12 सुपरवाइजरों की सेवा 31 मार्च को समाप्त हो गयी. एक अप्रैल से इन सुपरवाइजरों से काम नहीं लेने का निर्देश नगर आयुक्त ने जारी किया है. नगर निगम अधिकारी के मुताबिक निगम में 30 पद सुपरवाइजर के लिए स्वीकृत हैं. इसमें स्थायी रूप से चार सुपरवाइजर पहले से कार्यरत हैं. चार नये सुपरवाइजर की यहां पोस्टिंग की गयी है. जो स्थायी सुपरवाइजर पहले से कार्यरत हैं, वे नगर निगम में अलग-अलग शाखा के प्रभारी हैं. 2015-16 में नगर निगम में दैनिक वेतन मान में 34 सुपरवाइजरों को रखा गया था.

भीषण गर्मी से पहले कोडरमा के गांव में गहराया जल संकट, बालू खोदकर पानी निकाल रहे ग्रामीण

कोडरमा, एजेंसी। गर्मी की दस्तक के साथ ही जल संकट गहराने लगा हैं. कई ऐसे इलाके है जहां लोगों को पीने के पानी के लिए हर दिन संघर्ष करना पड़ रहा है. कोडरमा जिले के मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर की दूरी पर जंगल से घिरे डगरनवां पंचायत के टेपरा गांव के लोग प्रतिदिन नदी की बालू को खोदकर पीने की पानी की व्यवस्था करते हैं.

टेपरा गांव की रहने वाली रेशमी देवी ने बताया कि गांव में पानी की काफी बड़ी समस्या है. वहीं बारिश के दिनों में गांव का संपर्क दूसरे गांवों से पूरी तरह टूट जाता है. बरसात में नदी का जल स्तर बढ़ने पर करीब 12 से 15 फीट पानी गांव में घुस जाता है. जिससे 3 महीने तक लोग नदी से घिरे गांव में कैद हो जाते हैं. टेपरा गांव के ग्रामीणों की समस्या बरसात के बाद गर्मी में फिर से शुरू हो जाती हैं. गांव के किनारे स्थित नदी से महिलाएं बालू में गड्ढा खोदकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा करती हैं और अपनी प्यास बुझाती हैं।

बालू के नीचे से निकालना पड़ता है पानी- ग्रामीणों की मानें तो पानी की कमी की वजह से लोगों को नहाने में काफी परेशानी होती हैं. वहीं नदी के दूषित पानी को पीकर बच्चे और बड़े अक्सर बीमार पड़ते रहते हैं. गांव की मुन्नी देवी ने बताया कि अभी गर्मी की शुरुआत में नदी किनारे उन्हें करीब एक फीट तक बालू की खुदाई कर पानी का जुगाड़ करना पड़ रहा है. वहीं आने वाले

दिनों में जब गर्मी बढ़ने पर नदी का पानी सूखने लगता हैं. तब नदी के बालू को करीब 5 से 6 फीट गहरा खोदना पड़ता हैं, तब जाकर कहीं उन्हें पानी का रिसाव मिलता है और फिर छोटे बर्तन से धीरे-धीरे जमा पानी को ग्रामीण इकट्ठा करते हैं जिसका इतेमाल वे अपनी प्यास बुझाने और खाना बनाने समेत अन्य कार्य में करते हैं।

शुद्ध पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं- ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने पर गांव के लोग गाँव मे ही कैद हो जाते हैं ऐसे में यदि कोई बीमार पड़ जाता हैं, तो उसे चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने में भी काफी मुश्किल होती है. कई बार लोग बीमार व्यक्ति को खाट पर लेटाकर नदी पार कर डॉक्टर के पास लेकर जाते हैं. ग्रामीणों की माने तो गांव में शुद्ध पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं होने पर मजबूरन लोगों को नदी किनारे बालू से पानी की बूंद-बूंद व्यवस्था करनी पड़ती है. इस दौरान पानी भी काफी गंदा रहता है और पानी में कीड़े भी मिलते रहते हैं, जिससे बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है।

बोरिंग फेल होने से बाधित हुई पानी की सप्लाई

वहीं बड़कू टुडू ने बताया कि पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल झुमरी तिलैया के द्वारा एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत सोलर आधारित 5000 लीटर का जल मीनार वर्ष 2020 में स्थापित किया गया था. लेकिन जल मीनार के लिए कराया गया बोरिंग फेल हो गई. शुरुआत में कुछ दिनों तक पानी की सप्लाई होती रही लेकिन इसके बाद जब पानी आना बंद हुआ तो पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मियों को इसकी सूचना दी गई. जिसके बाद जल मीनार में लगे स्टार्टर और स्विच बोर्ड एवं मोटर को कर्मी अपने साथ लेकर चले गए. इसके बाद दोबारा जल मीनार शुरू नहीं हो पाया. पानी नहीं होने पर गांव के लोग गर्मी के मौसम में किसी प्रकार की कोई खेती भी नहीं कर पाते हैं. बारिश के दिनों में उपजाए अनाज को ही सुरक्षित रख कर लोग इसका इस्तेमाल करते हैं।

डीसी मेघा भारद्वाज का कहना है कि टेपरा गांव वन क्षेत्र में बसा हुआ है. वन विभाग के द्वारा वन क्षेत्र में किसी प्रकार की नई योजना दिए जाने पर रोक लगाई गई है. ग्रामीणों की समस्या को दूर करने की दिशा में डीएफओ से सामंजस्य बैठाकर जिला प्रशासन लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने की प्रक्रिया में जुट गई है।

बता दें कि यहां 20 घरों में 200 से अधिक आदिवासी परिवार रहते हैं. जिनको हर दिन पीने के पानी के लिए जद्दोजहत करनी पड़ती हैं. इस गांव के लोगों को बारिश के दिनों में मुसीबत ऐसी झेलनी पड़ती हैं कि अगर कोई बीमार पड़ जाए तो उसे सही इलाज नहीं मिल पाता और बच्चों का स्कूल से 3 महीने तक संपर्क भी टूट जाता है।

झारखंड में ईडी की दबिश, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के आप्त सचिव समेत रांची के दो ठिकानों पर मारा छापा

रांची/जमशेदपुर, एजेंसी। ईडी की टीम ने एक बार फिर झारखंड में दबिश डाली है. प्रर्वतन निदेशालय ने पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के आप्त सचिव और राजधानी के दो ठिकानों समेत देश के कुल 21 इलाकों में छापा मारा है. ये कार्रवाई आयुष्मान भारत योजना घोटाले में की गयी है. रांची के बरयातू थाना क्षेत्र स्थित अरविंद मार्ग के रश्मि एनक्लेव और रामेश्वरम लेन के श्यामा एनक्लेव में थर्ड फ्लोर पर रहने वाले सुजीत यादव के ठिकानों पर यह रेड पड़ा है. इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. आयुष्मान घोटाला से संबंधित मामले में ईडी ने जमशेदपुर के एनएच-33

मार्ग के बिग बाजार से पीछे स्थित नीलगिरी कॉलोनी में बन्ना गुप्ता के आप्त सचिव ओम प्रकाश सिंह गुड्डू के ठिकानों पर छापा मारा है. जमशेदपुर के कई इलाकों पर प्रर्वतन निदेशालय ने रेड मारी है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है. ईडी के अधिकारी ओम प्रकाश सिंह गुड्डू के परिजनों से पूछताछ कर रही है. किसी को भी अंदर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है.

दरअसल ईडी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत झारखंड में हुई गड़बड़ियों को लेकर दर्ज ईसीआईआर की जांच शुरू की है. कुछ दिन पहले सीएजी रिपोर्ट में इसका खुलासा भी हुआ था।

अब पोस्ट ऑफिस में भी मिल रहा मंईयां सम्मान योजना का पैसा, महिलाओं के लिए आई खुशखबरी

बरवाडीह/ पोटका, एजेंसी। 20 दिनों से मंईयां सम्मान योजना के 7500 रुपए के लिए बैंकों में भटक रही महिलाओं के लिए अच्छी खबर सामने आई है। पोटका में अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इसबार बैंक में नहीं पोस्ट ऑफिस में पैसा आया है। जिन महिलाओं का बैंक खाता में पैसा नहीं आया हैं। उन महिलाओं को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है यदि उनके पोस्ट ऑफिस में खाता है।

अधिकारियों ने कहा कि एक बार जरूर खाता का जांच करा लें, उन पोस्ट ऑफिस खताओं में मंईयां सम्मान के 7500 रुपए आए हुए हैं। जिसको लेकर महिलाएं सुबह से ही पोस्ट ऑफिस में भारी जमावड़ा लगी हुई है वहीं महिलाओं का कहना है कि पोस्ट ऑफिस में पैसा आया है।

वहीं महिलाओं ने दर्द साझा करते हुए कहा कि हम सब को पता ही नहीं था कि पोस्टऑफिस में पैसे आएंगे। हम सब रोज बैंक जाकर बैलेंस चेक कराते कराते थक चुके थे। इस बीच सूचना मिली कि पोस्ट ऑफिस में पैसा आया है तो हम सब मंईयां सम्मान योजना के 7500 रुपया लेने के लिए पोस्ट ऑफिस में आए हुए हैं। वही बैंक से ज्यादा आप पोस्ट ऑफिस में

महिलाओं की भीड़ देखी जा रही है।

मंईयां सम्मान योजना के लाभ से वंचित प्रखंड की सैकड़ों महिलाओं ने संयुक्त ग्राम सभा के बैनर तले प्रखंड कार्यालय का घेराव किया और सरकार के विरोध जमकर नारेबाजी की। कार्यक्रम के नेतृत्व भाजपा नेता कन्हाई सिंह ने की।

प्रखंड क्षेत्र से आई सैकड़ों महिलाओ ने कहा कि हेमंत सरकार मंईयां सम्मान के नाम पर 2500 देने का वादा करके सैकड़ों महिलाओं के इस लाभ से वंचित रखते हुए उनके साथ वही करने का आरोप लगाया।

कन्हाई सिंह ने कहा कि हेमंत सरकार अपने चुनाव के वादे के तहत राज्य के माता-बहनों को गुमराह करके वोट की राजनीति करने का काम किया है । जिसका नतीजा है कि आज महिलाओं को अपने हक अधिकार और सम्मान के पैसे के लिए रोजाना पंचायत और प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

सिंह ने कहा कि अगर राज्य की सरकार बिना किसी नियम कानून का हवाला दिए पूर्व की तरह मंईयां सम्मान योजना की राशि नही देगी तो फिर मुख्यमंत्री आवास और राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

इस दौरान बीडीओ रेशमा रेखा मिंज और सीओ मनोज कुमार ने सभी की मांगों को सरकार तक पहुंचने का आश्वासन देने के साथ-साथ सम्मान योजना की राशि नहीं मिलने में आ रही परेशानी को दूर करने का भरोसा दिलाया। मौके पर उप प्रमुख बीरेंद्र जयसवाल, प्रवीन कुमार धीरज कुमार, मालती देवी प्रमिला देवी, देवनती देवी समेत सैकड़ों सख्या में महिला मौजूद थी।

रांची को फैटी लिवर मुक्त बनाने में जुटे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, आज से शुरू होगा बड़ा अभियान

रांची, एजेंसी। फैटी लिवर एक गंभीर बीमारी है. जिसकी वजह से कई दूसरी बीमारियां भी हो जाती हैं. इससे निजात दिलाने के लिए सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर कई प्रयास किए जा रहे हैं. इसके बावजूद इसकी रोकथाम चिकित्सकों के लिए चुनौती बनी हुई है. विशेषज्ञों के अनुसार फैटी लिवर की समस्या के पीछे मुख्य वजह लोगों के खान-पान और जीवनशैली पर निर्भर करता है।

हाल के दिनों में रांची में तेजी से बढ़ रही इस बीमारी की रोकथाम के लिए देश के रक्षा राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद संजय सेठ के प्रयास से आईएलबीएस और सदर अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है. इसकी शुरुआत 5 अप्रैल को रांची के सदर अस्पताल से होगी।

विश्व प्रसिद्ध लीवर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एसके शरीन की देखरेख में गठित चिकित्सकों की टीम के द्वारा मोबाइल वैन आधारित स्क्रीनिंग प्रोग्राम के तहत शहरी और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम चलाया जाएगा. कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी वयस्कों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

फैटी लिवर मुक्त रांची बनाएंगे- संजय सेठ- रांची को फैटी लिवर मुक्त बनाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे देश के रक्षा राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद संजय सेठ ने कहा कि इसके लिए चार मोबाइल वैन उनके द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा. जिसके माध्यम से फैटी लिवर की स्क्रीनिंग शुरू होगी. उन्होंने बताया कि एक मशीन की लागत एक करोड़ रुपये है. कुल मिलाकर चारों गाड़ी में चार करोड़ की अत्याधुनिक मशीन लगी होगी।

जांच के बाद चिकित्सक देंगे नि:शुल्क सलाह- फैटी लिवर की जांच के बाद चिकित्सकों के द्वारा लोगों को मुफ्त सलाह भी दी जाएगी. आज के समय में फैटी लिवर को गंभीर बीमारी बताते हुए संजय सेठ ने कहा कि आज के समय में फैटी लिवर महामारी का रूप धारण कर चुकी है. इसके खिलाफ लड़ने की तैयारी है. उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि रांची लोकसभा क्षेत्र पूरे देश के लिए एक मॉडल बने।

पीएम के सपने को करेंगे साकार- उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए इस अभियान की शुरुआत की गई है. संजय सेठ ने कहा कि आज देश-दुनिया के लिए फैटी लिवर बीमारी चिंता का विषय है. इससे रांची भी अछूता नहीं है. इसलिए रांचीवासियों के लिए नि:शुल्क फैटी लिवर की स्क्रीनिंग के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है.

गढ़वा में सामुदायिक अस्पताल के पास भारी मात्रा में सरकारी दवाइयां फेंकी गई

सीएस ने कहा- दोषियों पर होगा कार्रवाई

गढ़वा, एजेंसी। यहां जिले के सामुदायिक अस्पताल के पास सरकारी दवाइयां फेंकी गईं हैं. इन दवाइयों में अल्बेन्डाजोल और फोलिक एसिड टैबलेट शामिल हैं, जो सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत वितरित की जाती हैं. इन दवाइयों के खुलेआम फेंके जाने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में हलचल मच गई।

सिविल सर्जन ने की जांच- घटना की जानकारी मिलते ही गढ़वा जिले के सिविल सर्जन मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने रंका अस्पताल का निरीक्षण किया और दवाइयों के बारे में जानकारी ली. वहीं, अस्पताल प्रशासन ने इस घटना को एक बड़ी चूक मानते हुए मामले की जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है. हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये दवाइयां

अस्पताल से बाहर कैसे निकली और क्यों उन्हें फेंक दिया गया।

जांच कर कार्रवाई की जाएगी- सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वह इस मामले में जल्द से जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने का प्रयास करेंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे. इस दौरान सिविल सर्जन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह दवाइयां सरकारी थीं और इन्हें अस्पताल परिसर के पास फेंका गया जो गलत है. उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले की जांच की जाएगी और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. सिविल सर्जन ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं स्वास्थ्य प्रणाली की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और इसे गंभीरता से लिया जाएगा. उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए प्रशासन उचित कदम उठाएगा।

उदयमान सूर्य को अर्घ्य, 4 दिनों तक चला चैती छठ का हुआ समापन

चैती छठ के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया. साथ ही धूप दीप हवन किया गया

धनबाद, एजेंसी। चार दिनों तक चलने वाला लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की आज उदयमान सूर्य देव की अर्घ्य देने के साथ समापन हो गया हैं. सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी, तालाबों और विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे. जहां छठ व्रती पानी में घंटों खड़े होकर भगवान भास्कर की आराधना की।

इसके बाद आसमान में लालिमा आते ही व्रती छठी मईया को किसी ने गाय के शुद्ध दूध से तो किसी ने जल से भगवान सूर्य को अर्घ्य समर्पित किया. चैती छठ को लेकर प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गयी. इसके अलावा छठ पूजा समिति की ओर से भी भक्तों की सुविधा के लिए प्रबंध किए गये।

छठ पूजा के दौरान अर्घ्य देने के दौरान धूप, दीप, हवन लोगों के द्वारा किया गया.

सुहागिन महिलाओं को सिंदूर लगाकर खोईछा भराई की रस्म अदाएगी की जाती है. यह पर्व में सुख समृद्धि और संतान प्राप्ति कामना करती है. इस पर्व से शारीरिक और मानसिक शुद्धता मिलती है. इस दौरान भगवान भास्कर सूर्य को अर्घ्य देने से रोग कष्ट मिट जाते हैं. यह पर्व विशेष रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में लोग बड़े ही आस्था पूर्वक मनाते हैं. जिसका फल अति शुभदायक होता हैं. जिसके कारण लोगों में बड़ी आस्था हैं।

छठ पूजा एक प्रमुख हिंदू त्योहार है, जो सूर्य देवता को समर्पित है। यह पर्व साल में दो बार मनाया जाता है, एक बार ग्रीष्म ऋतु में और दूसरी बार शरद ऋतु में। यह विशेष रूप से बिहार के लोगों द्वारा मनाया जाता है। छठ पूजा की बढ़ती लोकप्रियता के कारण, यह अब उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल, झारखंड और नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में भी मनाई जाने लगी है। इसके परिणामस्वरूप, छठ पूजा की भव्यता अब बिहार-झारखंड के अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती है।

वहीं, चैती छठ को लेकर राजधानी पटना में गंगा में कुल 41 घाटों का निर्माण करवाया गया है। इन घाटों पर हजारों की छठ व्रतियों ने अस्तलागामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ अर्पित किया। इस दौरान घाटों पर छठी मईया का गीत बजता रहा। पटना की रहने वाली श्रीदेवी का कहना है कि बिहार में छठ पर्व का अलग महत्व है। पूरे निष्ठा के साथ भगवान भास्कर एवं छठी मैया की पूजा की जाती है. छठी मैया से लोग जो भी मनोकामना करती हैं मा उसको पूरा करती हैं।

आपको बताते चलें कि, इस महापर्व में सूर्यदेव की बहन की आराधना की जाती है. छठी मईया की पूजा करने से हर मनोकामना पूरी हो जाती है। इससे घर-परिवार में सुख शांति और समृद्धि आती है। हिन्दुओं के लिए यह आस्था का महापर्व कहलाता है। पूरे 4 घंटे का निर्जला उपवास करने के बाद छठ व्रती अर्घ्य देती हैं।

देवघर में यहां स्थापित होगी हनुमान जी की 108 फीट ऊंची प्रतिमा, 12 अप्रैल को भूमि पूजन

देवघर, एजेंसी। देवघर के श्री मंगलधाम में भगवान हनुमान की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित होगी। इसको लेकर भूमि पूजन 12 अप्रैल को किया जाएगा। सेवा फाउंडेशन की ओर से आयोजित होने वाले भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले व मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष गंगवार होंगे। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डा. आशीष गौतम, विशिष्ट सहयोगी दिल्ली के निखिल नंदा व सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष जयप्रकाश देवालिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। देवघर-दुमका मार्ग स्थित हनुमान शिक्षा सेवा केंद्र के प्रसिद्ध हनुमान कथा वाचक प्रदीप भैया जी महाराज ने गुरुवार की शाम यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 108 फीट प्रतिमा का निर्माण दिल्ली के निखिल नंदा के सहयोग से किया जाएगा। 12 अप्रैल को सुंदरकांड पाठ, सामूहिक 108 हनुमान चालीसा पाठ, हवन, संगीतमय हनुमान आराधना का आयोजन होगा। मौके पर रीता चौरसिया, प्रेम प्रकाश चौबे, प्रदीप बाजला, रमेश बाजला, मधुकर चौधरी, सुबोध झा, आलोक मल्लिक, सेवा फाउंडेशन के सचिव प्रवीर कुमार शामिल हुए। इसके अलावा शिलू दीदी, मीनू दीदी, तान्या सिंह, डा. किरण झा, डा. राजीव पांडेय, मनोज मिश्रा, संजय मालवीय, पवन टमकोरिया, विजया सिंह, आशीष दुबे, चंद्रशेखर खवाड़े, संजय मिश्रा, शुभम राय, विनिता मिश्रा, एसडी मिश्रा, संजीत राय, नीलू मंडल, सीएन दुबे, मयंक राय, निरंजन सिंह, पंकज राय, निर्मल मिश्रा, राजकुमार शर्मा, प्रभाकर शांडिल्य, पंकज सिंह भदौरिया सहित शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स में भी बना सकते हैं आकर्षक करियर

विराट कोहली जब महज तीन साल के थे, तभी से उन्होंने हाथों में क्रिकेट बैट पकड़ना सीख लिया था और जिद करके खुद के लिए अपने पिता से गेंदबाजी कराया करते थे। 9 वर्षों तक ये यूं ही गली-मोहल्ले में शौकिया क्रिकेट खेलते रहे। फिर एक दिन उनके पिता को एक दोस्त ने बेटे को क्रिकेट ट्रेनिंग दिलाने की सलाह दी। उन्होंने सुझाव पर सोच-विचार किया और विराट का दाखिला एक एकेडमी में हो गया। आज वे सफलता के किस मुकाम पर हैं, यह बताने की जरूरत नहीं। हो सकता है कि खेल के प्रति ऐसी ही कुछ खूबियां आपमें भी छिपी हों, जिन्हें समय रहते पहचानकर और उचित प्रशिक्षण के बाद आप भी सचिन तेंडुलकर, अभिनव बिंद्रा, सुशील कुमार, विश्वनाथन आनंद, मैरीकॉम, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल आदि जैसे कामयाब खिलाड़ी बन सकते हैं। क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और टेनिस के अलावा बैडमिंटन, रेसलिंग, बॉक्सिंग, स्विमिंग, शूटिंग, बास्केटबॉल आदि खेल आज सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि बेहतरीन करियर भी बनते जा रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि स्पोर्ट्स में सिर्फ खिलाड़ियों के लिए ही स्कोप है। आप चाहें, तो कोच, फिजिकल ट्रेनर, अंपायर, कमेंटेटर, स्कोरर, स्पोर्ट्स मैनेजर, स्पोर्ट्स एडिटर, क्यूरेटर, फिजियोथैरेपिस्ट, स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर, स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजर आदि के रूप में भी आकर्षक करियर बना सकते हैं।

करियर के अवसर

भारत में युवा प्रतिभाओं के लिए स्पोर्ट्स में करियर ऑप्शंस की कमी नहीं है। स्पोर्ट्स एकेडमीज से ट्रेनिंग के बाद आप खिलाड़ी के तौर पर राज्य स्तरीय इवेंट्स में खेलते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। खिलाड़ी के तौर पर करियर खत्म होने के बाद स्पोर्ट्स कोच, कंसल्टेंट, अंपायर, रेफरी, टीम मैनेजर, फिटनेस इंस्ट्रक्टर, स्पोर्ट्स कमेंटेटर, स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट सप्लायर आदि के रूप में करियर के अन्य ऑप्शंस भी चुन सकते हैं। बीपीएड/ एमपीएड कोर्स करके स्कूल-कॉलेज में फिजिकल टीचर बन सकते हैं। इसके अलावा क्यूरेटर भी एक अच्छा करियर ऑप्शन हो सकता है। क्रिकेट मैचों के लिए अच्छी पिच क्यूरेटर ही तैयार करते हैं। स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर भी एक स्पेशलाइज्ड करियर है। स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में इन दिनों इनकी खासी डिमांड है। एमबीबीएस प्रोफेशनल स्पोर्ट्स मेडिसिन का 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स करके स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर बन सकते हैं।

पर्सनल स्किल

अगर स्पोर्ट्स में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपमें प्रतिभा, रुचि और समर्पण होा बहुत जरूरी है। आधे-अधूरे मन से खेलकर इस फील्ड में कामयाबी पाना संभव नहीं है। खेलों के लिए कुछ बेसिक शारीरिक क्षमता होना बेहद जरूरी है। इसे फिटनेस ट्रेनिंग और कोचिंग से हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए आपको खेल भावना भी रखनी होगी। ग्राउंड पर खिलाड़ियों के सामने विपरीत परिस्थितियों में अच्छा परफॉर्म करने का दबाव रहता है। इसलिए आपको मानसिक रूप से भी मजबूत रहना होगा।

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए कर बना सकते हैं बेहतर करियर

भारत का दूरसंचार उद्योग (टेलीकॉम इंडस्ट्री) विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम उद्योग है। कारण है विशाल जनसंख्या। जितनी जनसंख्या, उतने उपभोक्ता और जितने उपभोक्ता, उतना बड़ा उद्योग। टेलीकॉम सेक्टर में टेलीफोन, टेलीविजन, इंटरनेट आदि शामिल हैं। आज शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक दूरसंचार साधनों का उपयोग हो रहा है। साथ ही, सरकार ने ई-गवर्नेंस भी शुरू किया है। कुल मिलाकर, टेलीकॉम के क्षेत्र में करियर निर्माण की बहुत उजली संभावनाएं हैं। आप टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके बेहतर करियर बना सकते हैं।

क्या है एमबीए टेलीकॉम मैनेजमेंट

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए दरअसल मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी का मेल है। यह कोर्स करके आप दूरसंचार के विस्तृत नेटवर्क को मैनेज करने की स्किल्स सीख सकते हैं। इस डिग्री से आप टेलीकॉम ऑपरेशंस के इन पहलुओं पर पकड़ बना सकते हैं- फाइनेंस, ऑपरेशंस, मार्केटिंग, रेग्युलेटरी, लीगल फ्रेमवर्क। यह कोर्स 2 साल का होता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

आप भी यह कोर्स कर सकते हैं, यदि आपके पास कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बैचलर्स डिग्री है और आपने कैट/ जीमैट/ जैट/ स्नैप/ सीमैट आदि जैसी कोई प्रवेश परीक्षा क्लियर कर ली है। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस स्ट्रीम में इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि से हैं, तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

जरूरी स्किल्स

सूचना और संचार प्रणालियों की मूलभूत अवधारणाओं को समझने के अलावा कुछ और स्किल्स होना जरूरी है। इसके लिए स्वयं से ये सवाल पूछें –

- क्या आपका दिमाग सदा सक्रिय रहता है
- क्या आप निर्णयक्षमता के धनी हैं
- क्या आपको लगता है कि आप लोगों द्वारा भरोसा किए जाने लायक हैं
- क्या आप दूसरों से सीखने को तत्पर रहते हैं
- क्या आपमें मौजूदा ट्रेंड्स को चुनौती देने का साहस है
- क्या आप दूसरों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं
- क्या आप हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ करने को तत्पर रहते हैं

यदि इन सवालों के जवाब आप हां में देते हैं, तो आपमें यह कोर्स करने और टेलीकॉम मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए जरूरी स्किल्स हैं।

करियर ऑप्शंस

टेलीकॉम सेक्टर के आकार और विस्तार के बढ़ने के साथ ही, टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करने के बाद अवसरों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। फ्रेशर हो या अनुभवी व्यक्ति, यदि कोई दृढ़ संकल्पित है, तो इस क्षेत्र में सफल हो सकता है। टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके आप इन क्षेत्रों में टेलीकॉम मैनेजमेंट प्रोफेशनल बन सकते हैं- सेल्स एंड डिस्ट्रिब्यूशन, प्राइसिंग, प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट, मार्केटिंग एंड ऑपरेशंस, नेटवर्क प्लानिंग, सिक्योरिटी, टेलीकॉम कंसल्टिंग, इंटरनेशनल वॉइस ट्रेडिंग, टेलीकॉम रेग्युलेशन आदि। अनेक क्षेत्रों से जुड़ी सरकारी व प्राइवेट फर्म्स नई प्रतिभाओं को हायर करने को तैयार रहती हैं, जैसे- मोबाइल उत्पादक, ऑप्टिकल फाइबर उत्पादक, इंफ्रास्ट्रक्चर हार्डवेयर उत्पादक, वैल्यू एडेड सर्विस प्रोवाइडर्स (इंफोसिस/ माइक्रोसॉफ्ट/ विप्रो/ गूगल आदि), टेलीकॉम ऑपरेटर्स, इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स, बैंक, हॉस्पिटल, सिक्योरिटी फर्म्स आदि।

सैलरी पैकेज

युवा ग्रेजुएट्स की सैलरी 3 से 5 लाख प्रति वर्ष होती है। अनुभव के साथ बढ़ते-बढ़ते यह 30 लाख रुपए तक भी जा सकती है।

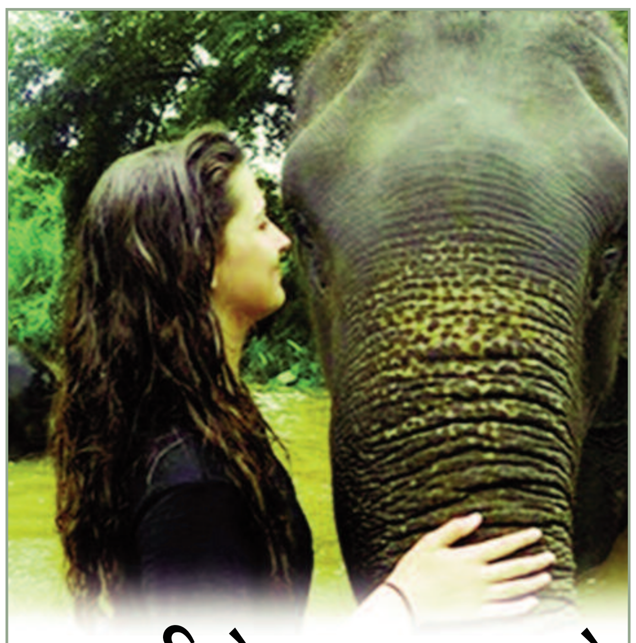

प्रकृति के साथ वक्त गुजारने का मौका देता है वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स का करियर

अगर आप भी रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन का क्षेत्र आपके लिए श्रेष्ठ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां इस समय विलुप्त होने के कगार पर हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है, जंगलों का लगातार काटा जाना। हालांकि कई संगठनों के सामने आने के बाद अब हालात में कुछ परिवर्तन आया है लेकिन पूरी तरह से तस्वीर बदलने के लिए जरूरत है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स की। ये विशेषज्ञ जानवरों के आवास पर शोध कर उनका संरक्षण करने में मदद करते हैं। जाहिर है, यह करियर आपको प्रकृति के साथ ज्यादा वक्त गुजारने का मौका तो देता ही है, साथ ही रोमांचक भी है। अगर आप ऐसे ही रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो इस फील्ड से जुड़ सकते हैं।

क्या है वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन

वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन के अंतर्गत विशेषज्ञ पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों का अध्ययन करके उनके कारणों की खोज करते हैं। साथ ही वे वाइल्डलाइफ को सहेजने यानी कन्जर्व करने की कोशिश भी करते हैं। जब भी ऐसी जगहों पर कोई निर्माण या दूसरी गतिविधि होती है, तो पहले इन्हीं विशेषज्ञों की अनुमति ली जाती है। यही नहीं, लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण का काम भी यही एक्सपर्ट्स करते हैं। इन्हीं विशेषज्ञों को कहा जाता है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट।

कौन-से कोर्सेज

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषय होने जरूरी हैं। आप वाइल्डलाइफ साइंस, इकोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल साइंस, फॉरेस्ट्री और इकोलॉजिकल डेवलपमेंट से ग्रेजुएशन कर सकते हैं। इसके बाद इन्हीं विषयों से पोस्ट ग्रेजुएशन और फिर पीएचडी की जा सकती है। इसके अलावा आप वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी कर सकते हैं। कई ऐसे इंस्टीट्यूट्स हैं, जो फील्ड में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के साथ पढ़ाई करवाते हैं। ट्रेनिंग के दौरान विद्यार्थियों को कैम्पिंग के माध्यम से पढ़ाई करने का मौका मिलता है। वहीं कुछ इंस्टीट्यूट्स वाइल्डलाइफ फिलॉसफी में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देते हैं, जिसे आर्ट ग्रेजुएट्स भी कर सकते हैं।

क्या हैं संभावनाएं

आप राष्ट्रीय उद्यानों (नेशनल पार्क्स) व वन्य जीव अभयारण्यों (वाइल्डलाइफ सैंक्चुरीज) से जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा डब्ल्यूटीआई, पेटा और वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपना करियर बना सकते हैं। सरकारी क्षेत्र में भी कई जॉब्स हैं। आप इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज की परीक्षा देकर बेहतरीन और प्रतिष्ठित जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा आप बतौर साइंटिस्ट, रिसर्चर, स्पेशलिस्ट, एक्सपर्ट और एनालाइजर अपना करियर बना सकते हैं और वाइल्डलाइफ से जुड़े अलग-अलग तथ्यों को सामने ला सकते हैं।

सैलरी कितनी

सरकारी रिसर्च और साइंस इंस्टीट्यूट्स से जुड़े प्रोफेशनल्स की शुरुआती सैलेरी 25,000 रुपए है, लेकिन अगर आप कॉर्पोरेट या इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशंस के साथ काम कर रहे हैं, तो ट्रेनिंग में आपकी शुरुआत 50,000 रुपए से होगी। परमानेंट जॉब और बढ़ते अनुभव से आपका वार्षिक पैकेज 30-35 लाख तक हो सकता है।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स

सबसे पहले तो आपके अंदर प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति लगाव होना चाहिए क्योंकि तभी आप कठिन परिस्थितियों में भी काम कर पाएंगे। वैसे भी जब तक आप अपने करियर को लेकर पैशनेट नहीं होंगे, तब तक सफलता नहीं मिलेगी। इसके अलावा आपमें समस्याओं के बारे में रिसर्च करने और उनका विश्लेषण करने का धैर्य होना चाहिए। एडवेंचरस होना और खतरों के लिए तैयार रहना भी महत्वपूर्ण है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुतः यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

वोडा-आइडिया के शेयर पर सरकार लेने जा रही बड़ा फैसला, सेबी की हरी झंडी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सरकार को वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयरधारकों के लिए खुली पेशकश लाने से छूट दे दी। यह छूट वीआईएल में स्पेक्ट्रम बकाया को इक्विटी में बदलने के एवज में 34 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद दी गई है।

सरकार की 49 फीसदी हो जाएगी हिस्सेदारी– इस परिवर्तन से कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी वर्तमान के 22.6 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 49 प्रतिशत हो जाएगी – जिससे टेलीकॉम प्रोवाइडर वीआईएल अपने ग्राहक आधार को सेवा प्रदान करना जारी रख सकेगी और भारत में दूरसंचार पहुंच बढ़ा सकेगी। यह छूट देते हुए सेबी ने कहा कि फिलहाल भारत सरकार का वीआईएल के प्रबंधन या बोर्ड में भाग लेने का कोई इरादा नहीं है और दूरसंचार कंपनी के नियंत्रण में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके अलावा, ऐसी होल्डिंग को सार्वजनिक शेयरधारिता के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। पिछले महीने सरकार ने संकटग्रस्त कंपनी को एक जीवन देते हुए सितंबर, 2021 के दूरसंचार सुधार पैकेज के प्रावधानों के तहत वीआईएल के स्पेक्ट्रम नीलामी बकाया के 36,950 करोड़ रुपये को इक्विटी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया। सामान्य तौर पर भारत सरकार की शेयरधारिता को बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत करने से अधिग्रहण नियमों के तहत खुली पेशकश की बाध्यता उत्पन्न हो जाएगी, लेकिन नियामक ने सरकार को इससे छूट प्रदान की है।

क्या है नियम

नियमों के तहत, किसी सूचीबद्ध कंपनी में 25 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी हासिल करने वाली संस्थाओं को शेयरधारकों के लिए एक खुली पेशकश करनी होती है। अपने आदेश में, नियामक ने उल्लेख किया कि वीआईएल द्वारा सरकार को एक बड़ी राशि का भुगतान किया जाना है, जो कंपनी की वित्तीय स्थिति पर संभावित बोझ डाल सकता है। इसके अलावा, भारत सरकार की ओर से एक खुली पेशकश की बाध्यता में नकदी की बड़ी मात्रा में निकासी शामिल है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में से सरकार घटा रही है अपनी हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में से सरकार ने अपनी हिस्सेदारी घटाने का फैसला किया है। इसके लिए सरकार की तरफ से फ्लोर प्राइस का ऐलान कर दिया गया है। सरकार ने बताया है कि कुल 4.83 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचा जाएगा। जिसके लिए कंपनी ने 2525 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से फ्लोर प्राइस तय किया है।

6 प्रतिशत गिरा कंपनी के शेयरों का भाव– निवेशकों को सरकार का यह फैसला पसंद नहीं आ रहा है। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों में आज शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बीएसई में 2571.40 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 2558.75 रुपये (सुबह 9.45 बजे) पर आ गया। बता दें, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत टूट गया है। दीपम के सचिन अरुनिश चावला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 3 अप्रैल को किए गए पोस्ट में जानकारी दी, नॉन रिटेल निवेशकों के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड का ऑफर फार सेल कल खुल जाएगा। वहीं, रिटेल निवेशक सोमवार को इस पर दांव लगा पाएंगे। सरकार की तरफ से 2.83 प्रतिशत हिस्सेदारी को घटाया जा रहा है।

बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों ने डिपॉजिट रेट्स घटाने शुरू किए

एचडीएफसी, यस बैंक, बंधन और बजाज फाइनेंस ने घटा दिए हैं डिपॉजिट रेट्स

- **आरबीआई की एमपीसी इस हफ्ते की बैठक में रेपो रेट में और कटौती कर सकती है**

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों ने डिपॉजिट रेट्स घटाने शुरू कर दिए हैं। उम्मीद है कि अगले हफ्ते रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है साथ ही लिक्विडिटी (रुपये की उपलब्धता) में भी सुधार होने की बात कही जा रही है। एचडीएफसी बैंक, यस बैंक, बंधन बैंक और एनबीएफसी बजाज फाइनेंस ने इस हफ्ते डिपॉजिट रेट्स घटा दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे आने वाले दिनों में लोन (उधार) पर ब्याज दरें भी कम होंगी और आरबीआई की नीतियों का असर आम लोगों तक जल्दी पहुंचेगा। आरबीआई ने जनवरी से सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे हैं। मंगलवार को उसने और 80,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदने का ऐलान किया। यानी आरबीआई बाजार में और पैसा डाल रही है ताकि ब्याज दरें कम हो।

इकॉनमिक टाइम्स के मुताबिक, इस साल फरवरी में सेंट्रल बैंक ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कमी की थी उम्मीद है कि एमपीसी की अगली मीटिंग में रीपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। अधिकतर बैंकों से इस तिमाही में डिपॉजिट रेट्स कम करने की उम्मीद है। उन्होंने पहले ही येपो रेट से जुड़े एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट के आधार पर डिपॉजिट रेट्स घटा दिए हैं लेकिन बैंकरों का कहना है कि वो अभी अपने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स के आधार पर लोन की दरें तुरंत नहीं घटाएंगे। डिपोजिट रेट्स में कटौती से एमसीएलआर में कमी का रास्ता साफ होता है। एचडीएफसी बैंक, येस बैंक और बजाज फाइनेंस ने डिपोजिट रेट्स 0.25-0.40 प्रतिशत तक घटा दिए हैं। बंधन बैंक ने सेविंग अकाउंट्स पर ब्याज दरों में आधी तक कटौती की है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

बैंक ऐसे वक्त में ब्याज दरें कम कर रहे हैजब सरकार ने अप्रैल-जून के लिए अपनी सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स की दरें जस की तस रखी हैं। इनमें आरबीआई बॉन्ड्स और सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम्स पर ज्यादा से ज्यादा 8.2 प्रतिशत ब्याज मिलता है Money Honey फाइनैंशल सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर अनूप भैया कहते हैं कि फिक्स्ड डिपॉजिट करने वालों को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। चार से पांच साल की लंबी अवधि के लिए ज्यादा ब्याज दरों पर पैसा लगा देना चाहिए। फाइनैंशल प्लानर्स बताते हैं कि फिक्स्ड डिपॉजिट (स्र इसलिए पसंद किए जाते हैं क्योंकि ये समझने में आसान होते हैं और नियमित रूप से पैसा मिलता रहता है। यह बाजार की स्थिति पर निर्भर नहीं होता। ये प्रोडक्ट्स रिटायर लोगों या उन निवेशकों को पसंद आते हैं जो अपने लक्ष्यों को पूरा करना चाहते हैं और बिना किसी अनिश्चितता के काम को सरल रखना चाहते हैं। इसके मुकाबले, डेट फंड्स पर रिटर्न तय नहीं होता और चुने हुए फंड और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के आधार पर ये अस्थिर हो सकते हैं। ज्यादा ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के दौरान मार्केट टू मार्केट लाभ या नुकसान हो सकता है। ये कटौती खास तौर पर उन स्पेशल डिपॉजिट्स पर केंद्रित है जो सीमित समय (31 मार्च तक) के लिए ज्यादा ब्याज दरों पर शुरू की गई थीं।

अंबानी ने खरीदे 6 करोड़ से ज्यादा शेयर, 265 रुपये तक जा सकता है भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी- जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने ज्वाइंट वेंचर को लेकर एक अहम ऐलान किया है। जियो फाइनेंशियल ने गुरुवार को कहा कि कंपनी और ब्लैकरॉक ने अपने 50-50 ज्वाइंट वेंचर- जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के 6.65 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदे हैं। इसका फेस वैल्यू 10 प्रति शेयर है। इस लिहाज से कुल 66.5 करोड़ का निवेश हुआ है।

बता दें कि यह ज्वाइंट वेंचर अपने व्यावसायिक संचालन को सपोर्ट देने के लिए इस फंड का उपयोग करेगा।

शेयर का हाल– बीएसई इंडेक्स पर गुरुवार को यह शेयर 230.45 रुपये पर था। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 0.26 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। अप्रैल 2024 में शेयर की कीमत 394.70 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का लो 198.60 रुपये है। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट– बिजनेस टुडे की खबर के मुताबिक विश्लेषकों ने सुझाव दिया है कि जियो फाइनेंशियल के शेयर ओवरसोल्ड लेवल से उबर चुके हैं और शॉर्ट टर्म में मजबूती देखी जा सकती है। आनंद राठी के वरिष्ठ प्रबंधक - तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक जिगर एस पटेल ने बताया कि शेयर को समर्थन 220 रुपये और प्रतिरोध 236 रुपये पर मिलेगा। शॉर्ट टर्म के ट्रेडिंग रेंज की बात करें तो 220 रुपये और 250 रुपये के बीच रहने का अनुमान है। स्टॉक्सबॉक्स के अमेय रानादिवे ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में जियो फाइनेंशियल में तेजी का रुख रहा है, जो ओवरसोल्ड स्तरों से उबर रहा है। यह शेयर अल्पावधि में मजबूती का संकेत दे रहा है। शेयर का संभावित लक्ष्य 257-265 रुपये की सीमा में रह सकता है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

दिसंबर 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में जियो फाइनेंशियल का 295 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। जियो फाइनेंशियल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 294 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। तिमाही में कुल आय बढ़कर 449 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 414 करोड़ थी। कुल खर्च में भी सालाना आधार पर वृद्धि देखी गई। यह बढ़कर 131 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 99 करोड़ रुपये था।

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल लिमिटेड के शेयर आज स्टॉक मार्केट में एक्स–बोनस के तौर पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी की तरफ से योग्य निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया गया है। बता दें, केबीसी ग्लोबल लिमिटेड के शेयरों का भाव 1 रुपये से भी कम का है।

हर शेयर पर एक शेयर का फायदा– एक्सचेंज को दी जानकारी में केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने बताया था कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दिया गया है। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने पहले से ही 4 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया था। जोकि आज है।

2021 में बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी– इस पेनी स्टॉक ने 2021 में भी बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 4 शेयर बोनस शेयर तौर पर दिए थे। वहीं, केबीसी ग्लोबल लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा 2 बार हुआ है। पहली बार कंपनी के शेयरों का बंटवारा 2020 में हुआ था। तब कंपनी ने अपने शेयरों को 5 हिस्सों में बांट दिया था। उसके बाद कंपनी के शेयरों को 2021 में बांट दिया गया था। तब कंपनी ने अपने शेयरों का बंटवारा 2 हिस्सों में किया था। इस दूसरी बार स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो गई थी।

- **कंपनी के शेयरों में लगा अपर सर्किट–** बीएसई में आज यह स्टॉक 3.85 प्रतिशत की उछाल के बाद 0.54 रुपये के लेवल पर खुला है। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी के शेयरों का यह अपर सर्किट है। बता दें, आज इस स्टॉक को खरीदने वाले निवेशकों को बोनस शेयर का लाभ नहीं मिलेगा।

टाटा मोटर्स के शेयर डाउनग्रेड, टार्गेट प्राइस भी घटाया, अब बेचने की लगी होड़

नईदिल्ली, एजेंसी। पैसेंजर और कमर्शियल व्हीकल निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड को ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने अपनी हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म लिस्ट से हटा दिया है। सीएलएसए ने टाटा मोटर्स को फिर से आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है और इसके शेयर का टार्गेट प्राइस 18 प्रतिशत घटाकर 930 से 765 कर दिया है। नया टार्गेट गुरुवार के क्लोजिंग प्राइस से 17 प्रतिशत की संभावित बढ़त दिखाता है। आज यह स्टॉक करीब 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 625 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा है।

34 एनॉलिस्टों में से 21 ने कहा–खरीदो– टाटा मोटर्स पर नजर रखने वाले 34 एनॉलिस्टों में से 21 ने 8 ने होल्ड और 5 ने स्द्दद्य रेटिंग दी है। टाटा मोटर्स के शेयर अब अपने 52-हफ्ते के निचले स्तर 606.30 रुपये की ओर बढ़ रहा है।

ट्रंप के टैरिफ का असर

टाटा मोटर्स को इस लिस्ट में शामिल किए जाने के महज दो महीने के अंदर ही हटा दिया गया है। सीएलएसए ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि अमेरिका में 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगने और जगुआर मॉडल्स की उत्पादन बंदी के कारण जगुआर लैंड रोवर की बिक्री वित्तीय वर्ष 2026 में 14 प्रतिशत गिर सकती है। इससे टाटा मोटर्स का इबीआइटी मार्जिन वित्तीय वर्ष 2026-27 में 9 प्रतिशत से घटकर 7 प्रतिशत रह जाएगा।

इस वजह से सीएलएसए ने जगुआर लैंड रोवर के इबीआइटीडीए अनुमान को कम किया है, हालांकि उसे उम्मीद है कि जगुआर लैंड रोवर वित्तीय वर्ष 2026 और 2027 दोनों में फ्री कैश फ्लो पॉजिटिव रहेगा।

जगुआर लैंड रोवर को ग्रोथ की चुनौतियां

कम अवधि में जगुआर लैंड रोवर को ग्रोथ की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सीएलएसए ने जगुआर लैंड रोवर का मल्टीपल 2.5× से घटाकर 2× कर दिया है।

भारत में कमर्शियल व्हीकल्स का साइकिल वित्तीय वर्ष 2026 में निचले स्तर पर पहुंच सकता है। इसलिए, सीएलएसए ने टाटा मोटर्स के कॉमर्शियल व्हीकल्स बिजनेस का वैल्यूएशन वित्तीय वर्ष 2028 तक बढ़ा दिया है, जिससे 127 प्रति शेयर की बढ़त हो सकती है। सीएलएसए ने कहा कि यह जगुआर लैंड रोवर पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कुछ हद तक कम कर देगा।

2000 रुपये से कारोबार की शुरुआत

आज सालाना 35 लाख की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। किसी भी कारोबार में सफलता के लिए जरूरी है कि उसमें जानकारी होना। काफी एक्सपर्ट भी यही सलाह देते हैं कि बिना जानकारी के कारोबार शुरू करना नुकसान का सौदा हो सकता है। ऐसा ही कुछ किया सुंदरगढ़ (ओडिशा) के रहने वाले जतिंद्र बरवा ने। वह मशरूम का कारोबार करते हैं। इस कारोबार को शुरू करने से पहले उन्होंने इसकी ट्रेनिंग ली थी। आज वह लाखों रुपये सालाना कमा रहे हैं। जतिंद्र बरवा को कारोबार करने का शुरू से ही शौक था। जतिंद्र एमएससी करने के बाद इस उलझन में थे कि उन्हें सरकारी नौकरी करनी चाहिए या कारोबार की दुनिया में कदम रखना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने इग्नू से फूड सेफ्टी एंड क्वालिटी मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा किया। हालांकि जतिंद्र का खेती की ओर रुझान बड़े भाई को देखकर हुआ।

बड़े भाई से मिली प्रेरणा– मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जतिंद्र बताते हैं कि उन्होंने अपने बड़े भाई को खेती में सफल होते देखा था। भाई को देख जतिंद्र ने भी खेती करने के बारे में सोचा। जतिंद्र का मानना है कि नौकरी में बहुत सारे प्रतिबंध होते हैं। जबकि कारोबार काम की आजादी देता है। जतिंद्र ने अपने भाई से खेती की कुछ ट्रेनिंग ली। इसके बाद उन्होंने साल 2009 में 5 एकड़ जमीन लीज पर ली और सब्जियां उगाना शुरू कर दिया।

ऐसे आया मशरूम का ख्याल

जतिंद्र बताते हैं कि सब्जी विक्रेताओं के साथ काम करने के दौरान उन्हें मशरूम के बारे में पता चला। उन्हें पता चला कि मशरूम की मार्केट में काफी डिमांड है। इसके बाद उन्होंने मशरूम की खेती करने का प्लान बनाया। इसके लिए जतिंद्र ने एक इंस्टिट्यूट से मशरूम की खेती की ट्रेनिंग ली। उन्होंने धान के भूसे से बने मशरूम और ऑयस्टर मशरूम के बीज खरीदे और बैग को शेड में रख दिया। ऑयस्टर मशरूम को उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि इसकी खेती पूरे साल की जा सकती है।

2000 रुपये से शुरुआत

जतिंद्र के मुताबिक उन्होंने अपने कारोबार की शुरुआत मात्र दो हजार रुपये से की थी। ये पैसे उन्होंने बीज और सब्सट्रेट (बैग आदि) पर खर्च किए थे। उन्हें शुरुआती खेती के अच्छे रिजल्ट मिले और इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। इसके बाद जतिंद्र ने बैंक से एक लाख रुपये का लोन लिया। लेकिन यहां उन्हें एक परेशानी आने लगी। उन्हें मशरूम के बीज खरीदने के लिए करीब 450 किमी दूर जाना पड़ता था। इससे न केवल खर्चा ज्यादा हो रहा था, बल्कि समय भी ज्यादा लग रहा था।

बिजनेस अपडेट के बाद डीमार्ट के शेयर लुढ़के, 4,000 के नीचे आया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटेल चेन डीमार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,000 के नीचे आकर 3,946 प्रति शेयर पर पहुंच गए। यह गिरावट कंपनी के मार्च 2025 तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद आई, जो विश्लेषकों की उम्मीदों से कम रहा।

पिछले 4 साल में सबसे ज्यादा स्टोर खोले– गुरुवार को एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने मार्च तिमाही में स्टैंडअलोन ऑपरेटिंग रेवेन्यू 14,462 करोड़ बताया, जो पिछले साल की समान तिमाही के 12,393 करोड़ से 16.67 प्रतिशत अधिक है। इस तिमाही में कंपनी ने 28 नए स्टोर खोले, जो पिछले 4 साल में सबसे ज्यादा है। अब कुल स्टोर संख्या 415 हो गई है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने कुल 50 नए स्टोर जोड़े, जो वित्त वर्ष 24 (41 स्टोर) और वित्त वर्ष 23 (40 स्टोर) से अधिक है। यह संख्या विश्लेषकों के अनुमान (40 स्टोर) से भी बेहतर रही। कंपनी ने पहले ही अपने इन्वेस्टर्स डे में लॉन्ग टर्म में स्टोर वृद्धि दर 10-15 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य रखा था।

उम्मीदों से कमजोर रहे नतीजे– हालांकि, दिसंबर तिमाही में कंपनी के नतीजे उम्मीदों से कमजोर रहे, क्योंकि मेट्रो शहरों में क्विक कॉमर्स (तेज ऑनलाइन डिलीवरी) की वजह से स्टोर परफॉर्मेंस प्रभावित हुई–हालांकि क्यू2एफवाय25 के मुकाबले असर कम था। एक्सिस सिक्योरिटीज ने अपनी क्त्3 रिपोर्ट में कहा था कि डीमार्ट को आने वाले समय में स्टोर मेट्रिक्स सुधारने में चुनौतियां रहेंगी। इसकी 4 वजहें हैं।

प्राइसिंग प्रेशर से ग्रोथ और मार्जिन पर दबाव – विश्लेषकों का मानना है कि क्विक कॉमर्स कंपनियों (जैसे जेप्टो, ब्लिंकिट) द्वारा हाल में जुटाए गए फंड्स ने प्रतिस्पर्धा बढ़ा दी है। हालांकि डीमार्ट का वैल्यू-बेस्ड मॉडल लंबे समय में क्विक कॉमर्स के साथ चल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

वक्फ विधेयक को "बहुत जल्द" उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी कांग्रेस

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' की संवैधानिकता को ''बहुत जल्द'' उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। राज्यसभा ने वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। इसी के साथ संसद में यह विधेयक पारित हो गया। लोकसभा ने बुधवार देर रात करीब दो बजे इस विधेयक को पारित कर दिया था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' 'कांग्रेस वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को उच्चतम न्यायालय में बहुत जल्द चुनौती देगी।'' उन्होंने कहा, ''...हम भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और परंपराओं पर मोदी सरकार के सभी हमलों का विरोध करते रहेंगे।'' रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने 'नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) 2019' को चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। उन्होंने कहा कि 'आरटीआई (सूचना का अधिकार) अधिनियम, 2005' में 2019 के संशोधनों को भी कांग्रेस ने चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। कांग्रेस नेता ने कहा, '' 'निर्वाचन का संचालन नियम (2024)' में संशोधनों की वैधता को कांग्रेस ने चुनौती दी और उसकी उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हो रही है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, '' 'उपासना स्थल अधिनियम, 1991' की मूल भावना को बनाए रखने संबंधी कांग्रेस की याचिका पर उच्चतम न्यायलय में सुनवाई की जा रही है।

विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी भाजपा, अमित शाह करेंगे बिहार, बंगाल और तमिलनाडु का दौरा

नईदिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इस महीने बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु की यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा के बाद भी वे कई बार वहां जाएंगे, क्योंकि भाजपा बिहार में अपने सहयोगियों के साथ सत्ता बरकरार रखना चाहती है और दो अन्य राज्यों में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि शाह इन राज्यों में चुनाव तक लगभग हर महीने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संगठनात्मक बैठकें आयोजित करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके 14 और 15 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में तथा 30 अप्रैल को बिहार में रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

डीएनए रिपोर्ट पिता तय कर सकती है, सहमति का अभाव नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के दोषी को किया बरी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में एक अहम फैसला देते हुए 10 साल जेल की सजा पाने वाले दोषी को बरी कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि डीएनए टेस्ट रिपोर्ट से केवल पितृत्व साबित होता है, सहमति का अभाव साबित नहीं होता।

जस्टिस अमित महाजन ने कहा कि डीएनए रिपोर्ट से भले ही यह साबित हो गया कि महिला की कोख से जन्मे बच्चे का जैविक पिता आरोपी ही है, लेकिन अकेले गर्भावस्था दुष्कर्म का अपराध सिद्ध करने के लिए काफी नहीं है, जब तक कि यह भी न साबित किया जाए कि संबंध सहमति के बिना बनाया गया था।

हाईकोर्ट ने 20 मार्च को सुनाए गए अपने फैसले में कहा, डीएनए रिपोर्ट केवल पितृत्व को साबित करती है- यह सहमति के अभाव को न तो सिद्ध नहीं करती है और ना ही कर सकती है। यह एक स्थापित कानून है कि आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) के तहत अपराध की सिद्धि सहमति के अभाव पर निर्भर करती है। फैसले में कहा गया कि घटना से जुड़ी परिस्थितियों ने अभियोजन पक्ष के मामले को 'अत्यधिक असंभव' बना दिया है।

जस्टिस महाजन ने फैसले में इस संभावना से भी इनकार नहीं किया कि बिना किसी स्पष्टीकरण के देरी से दर्ज कराई गई एफआईआर 'सामाजिक दबाव का नतीजा' हो सकती है।

उन्होंने कहा, इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोप सहमति से बने संबंध को बलात्कार के रूप में स्थापित करने के लिए लगाए गए थे, ताकि आरोप लगाने वाली महिला और उसके परिवार को समाज के तानों का सामना न करना पड़े।

जस्टिस महाजन ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, कानून बेशक केवल चुप्पी को सहमति नहीं मानता, लेकिन यह उचित संदेह से परे सबूतों के अभाव में दोषी भी नहीं ठहराता। इस मामले में संदेह बना हुआ है - अटकलों के कारण नहीं, बल्कि सबूत के अभाव के कारण। हाईकोर्ट ने कहा कि मुकदमे के दौरान न सिर्फ महिला के बयानों में विरोधाभास पाया गया, बल्कि दुष्कर्म की पुष्टि करने के लिए मेडिकल और फोरेंसिक सबूत भी नहीं मिले।

दिल्ली के शाहीनबाग में उड़ाए जा रहे ड्रोन, जामिया नगर से जामा मस्जिद तक पुलिस ही पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधित विधेयक पास होने के बाद दिल्ली में पुलिस अलर्ट पर है। विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली के शाहीनबाग में जहां ड्रोन से निगरानी की जा रही है तो जामिया नगर से जामा मस्जिद तक मुस्लिम बहुल इलाकों में पुलिस ही पुलिस नजर आ रही है। बिल पास होने के बाद पहला जुमा होने की वजह से मस्जिदों के आसपास भी निगरानी बढ़ी दिखी। दिल्ली पुलिस के अलावा रैपिड ऐक्शन फोर्स ने भी अलग-अलग इलाकों में फ्लैग मार्च किया। गलियों और बाजारों से एक साथ सैकड़ों सुरक्षाकर्मी यह संदेश देते हुए निकले कि गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करने वालों पर सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। जामिया नगर, जामा मस्जिद, मुस्तफाबाद, जहांगीरपुरी समेत कई इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नजर आए। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी अलर्ट मोड पर हैं। कंट्रोल रूम से हर इलाके की निगरानी की जा रही है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के बाहर किसी तरह के प्रदर्शन या उपद्रव की स्थिति से निपटने के लिए सीआरपीएफ की टुकड़ियों को तैनात किया गया। विश्वविद्यालय के गेट संख्या 7 के पास काफी संख्या में सीआरपीएफकर्मी तैनात दिखाई दिए। इसके अलावा पुलिस वैन इत्यादि के साथ कुछ पुलिसकर्मी भी तैनात दिखे। यहां किसी भी तरह के प्रदर्शन, विरोध या असामान्य तरह की स्थिति देखने को नहीं मिली। उपद्रव से निपटने के इंतजाम किए गए। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में खामोशी छाई रही। वहीं, कुछ स्थानों पर अलग-अलग संगठनों ने मिठाई बांटकर खुशी भी जताई। इस बीच, संवेदनशील इलाकों में सुबह से सुरक्षाबल मुस्तैद नजर आए। सुरक्षाबलों ने शाम को फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया। सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रखी गई। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने वक्फ बिल के विरोध में दिल्ली से आंदोलन की शुरुआत करने का ऐलान किया है। एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने शाहीनबाग की ओर इशारा करते हुए कहा था कि आंदोलन की शुरुआत वहीं से होगी जहां खत्म हुई थी। बता दें कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ शाहीनबाग में महिलाएं लंबे समय तक धरने पर बैठी रही थीं।

दिल्ली में जल्द पेपर और फेसलेस की मिलेगी सुविधा

रेखा गुप्ता सरकार बना रही प्लान; आपको क्या होगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार अगले कुछ महीनों में संपत्तियों की सेल डीड के रजिस्ट्रेशन को पेपर और फेसलेस बना सकती है। नए सिस्टम में अधिकारियों और नागरिकों दोनों के लिए सभी निषिद्ध संपत्तियों की सूची भी उपलब्ध होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन्हें धोखाधड़ी से बेचा न जाए और इनके सेल डीड पंजीकरण को रोका जा सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) आशीष चंद्र वर्मा ने गुरुवार को सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक की, जिसमें शहर के नागरिकों के लिए संपत्तियों की सेल डीड के पंजीकरण को सुविधाजनक और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के तरीकों पर चर्चा की गई। वर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग ने प्रक्रियाओं को मैप करने और सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए संभावित समाधान सुझाने के लिए डेलॉइट को सलाहकार के तौर पर शामिल किया है। पोर्टल में नागरिकों के लिए एक ड्रॉप-डाउन मॉड्यूल भी होगा, जिससे वे निषिद्ध संपत्तियों - विवादित, शत्रु, ग्राम सभा भूमि और वक्फ के अलावा अवैध निर्माण के लिए नागरिक एजेंसियों द्वारा बुक की गई संपत्तियां को आसानी से ढूंढ सकेंगे। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, वर्मा ने कहा, हम चाहते हैं कि सिस्टम पूरी तरह से फेसलेस हो और इसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप न हो। इसके लिए हमें तकनीकी बदलाव और कियोस्क स्थापित करने होंगे। जहां लोग जाकर पंजीकरण करा सकें और दस्तावेज अपलोड कर सकें। वर्मा ने कहा कि यह परियोजना नई सरकार की प्राथमिकता है और इसे इसी साल पूरा कर लिया जाएगा। दिल्ली ने सब-रजिस्ट्रारों द्वारा सेल डीड, पावर ऑफ अटॉर्नी, वसीयत और 25 अन्य ऐसे दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस) का उपयोग करना शुरू कर दिया है। सेल डीड पंजीकरण पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर को एमसीडी के मूल्यांकन और संग्रह विभाग की ऑनलाइन प्रणाली के साथ एकीकृत किया जाएगा।

मायावती ने वक्फ विधेयक को जल्दबाजी में पारित करने की आलोचना की

नईदिल्ली, एजेंसी। बसपा नेता ने विधेयक पारित करने में सरकार की ''जल्दबाजी'' पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार ने जल्दबाजी में इस विधेयक को पेश किया और पारित कराया, जो उचित नहीं है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को जल्दबाजी में पारित करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि इस विधेयक को जनता की चिंताओं एवं शंकाओं को दूर करने के बाद ही पेश किया जाना चाहिए था। उनकी यह टिप्पणी बृहस्पतिवार देर रात को राज्यसभा द्वारा विधेयक को पारित करने के बाद आई। विधेयक को लोकसभा में मंजूरी मिल चुकी है, जहां विपक्ष ने इसका कड़ा विरोध किया था। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''संसद में वक़्फ संशोधन विधेयक पर सत्ता व विपक्ष को सुनने के बाद निष्कर्ष यही निकलता है कि केंद्र सरकार अगर जनता को इस विधेयक को समझने के लिए कुछ और समय दे देती तथा उनके सभी संदेहों को भी दूर करके इस विधेयक को लाती, तो बेहतर होता।

भाजपा के आते ही 82 तक बढ़ गई स्कूलों की फीस, बच्चों को परेशान कर रहे

नईदिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर बिजली कटौती के बाद अब एक और बड़ा आरोप लगा दिया है। मामला स्कूलों की फीस से जुडा है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज का दावा है कि भाजपा के आते ही स्कूलों की फीस भी बढ़नी शुरू हो गई है। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बिजली कटौती के बाद अब मिडिल क्लास पर दूसरा बड़ा प्रहार किया है। एक अप्रैल से प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ा दी गई है।

उन्होंने कहा कि ये तकरीबन हर स्कूल में हुआ है। कहीं पर 20 तो कहीं पर 40-65 फीसदी स्कूल की फीस बढ़ा दी गई है। उनका दावा है कि कहीं तो यह आंकड़ा 82 फीसदी तक भी पहुंच गया है। उन्होंने कहा, एक अखबार के मुताबिक एक नामी स्कूल की द्वारका, वसंत कुंज और रोहिणी ब्रांच में फीस बढ़ाने के बाद बच्चों को परेशान किया जा रहा। जिन बच्चों के माता-पिता ने बढ़ी हुई फीस नहीं दी, उन्हें लाइब्रेरी में बैठा दिया जाता है। टॉयलेट जाने के लिए भी उन्हें अटेंडेंट के साथ भेजा जा रहा है ताकी बच्चे क्लास में जाकर पढ़ाई ना करने लगे। उन्होंने कहा, इन स्कूलों में पढ़ने वाले मिडिल क्लास नहीं, अपर मिडिल क्लास के बच्चे हैं और उन्हें इस तरह से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अखबार के मुताबिक एक छात्र को दूसरे छात्रों ने चिढ़ाया कि तुम्हारा बाप बढ़ी हुई फीस भी नहीं दे सकता। सौरभ भारद्वाज ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा, मयूर विहार फेज 3 के अंदर सालवन पब्लिक स्कूल ने कहा है कि ये 82 फीसदी फीस बढ़ाएगा। 57 फीसदी बढ़ा दी है और 25 फीसदी और बढ़ाएगा। जिन्होंने बढ़ी हुई फीस नहीं दी है, उनके रिजल्ट रोक लिए गए हैं। माता-पिता धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी तरह उन्हें अन्य कई स्कूलों के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा, केजरीवा सरकार के दौरान अगर फीस बढ़ती तो पहले विधायक स्कूल के बाहर पहुंच जाता था लेकिन बीजेपी के विधायक बच्चों के परिजनों क साथ खड़े नहीं दिखे। सौरभ भारद्वाज ने दावा कि पिछले 10 सालों में जो प्राइवेट स्कूल माफिया खत्म हुआ था।

सच हो रहीं बाबा वेंगा की 2025 को लेकर डरावनी भविष्यवाणियां ! बताया कब होगा दुनिया का अंत

लंदन, एजेंसी। मशहूर बल्गेरियाई भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की 2025 को लेकर की गई कुछ भविष्यवाणियां सच होती दिख रही हैं। हाल ही में म्यांमार में आए भीषण भूकंप में 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, और यह घटना उनकी उन भविष्यवाणियों से मेल खाती है, जिनमें उन्होंने विनाशकारी भूकंप की चेतावनी दी थी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वेंगा ने इस विशेष भूकंप का उल्लेख किया था या नहीं, लेकिन इस त्रासदी के बाद उनकी भविष्यवाणियों को लेकर बहस फिर से तेज हो गई है। बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों के अनुसार, 2025 में दुनिया कई बड़े संकटों का सामना कर सकती है। कुछ प्रमुख चेतावनियां जो अब सच होती दिख रही हैं।

यूरोप में बड़े युद्ध की भविष्यवाणी: बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 में यूरोप एक बड़े युद्ध की चपेट में आएगा, जिससे महाद्वीप की जनसंख्या पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। मौजूदा रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य वैश्विक तनावों को देखते हुए, इस भविष्यवाणी को लेकर डर बढ़ रहा है। 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता और आर्थिक पतन की भविष्यवाणी की गई थी। मौजूदा समय में दुनिया भर में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी को देखते हुए, यह भविष्यवाणी भी सच होती दिख रही है। बाबा वेंगा ने 2025 को मानवता के पतन की शुरुआत के रूप में भी देखा था। अगर मौजूदा वैश्विक हालातों को देखा जाए–युद्ध, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक संकट तो कई लोग इसे इस भविष्यवाणी से जोड़कर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोवर्स वाली नर्स की हुई मौत

न्यूयार्क, एजेंसी। नर्सिंग इन्फ्लुएंसर हैली ओकुला की अपने पहले बच्चे को जन्म देने के बाद कुछ दिक्कतों के कारण मौत हो गई। पति मैथ्यू ओकुला ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। ओकुला एक ईआर नर्स थीं, जिन्हें ऑनलाइन नर्स हैली के नाम से जाना जाता था। हैली को काफी समय से बच्चा नहीं हो रहा था और उन्होंने इस समस्याओं के बारे में खुलकर बात की थी। हैली ने अपनी गर्भावस्था की यात्रा को साझा करने के बाद लोकप्रियता और हजारों फॉलोवर्स हासिल किए थे। हैली के पति मैथ्यू ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं बहुत भारी मन से अपनी खूबसूरत पत्नी हैली मैरी ओकुला के प्रसव संबंधी दिक्कतों के कारण समय से पहले निधन की खबर को साझा कर रहा हूं। कोई भी शब्द उस फीलिंग को व्यक्त नहीं कर सकता जो मैं महसूस कर रहा हूं। हैली एक पत्नी और साथी के रूप में मेरी कल्पना से कहीं बढ़कर थी। मैथ्यू ने आगे लिखा, वह खूबसूरत, स्मार्ट, मेहनती, भावुक, भरोसेमंद थी। लगभग 13 वर्षों तक वह सबसे कठिन समय में मेरे साथ खड़ी रही और मुझे बहुत सारा प्यार करती रही। वह मेरी सब कुछ थी। स्थानीय स्टेशन केटीटीवी के अनुसार, हैली ओकुला को अपने बेटे क्रू को जन्म देने के कुछ ही मिनटों बाद कार्डियक अरेस्ट हो गया था जिससे उनका निधन हुआ। ओकुला को इन विट्रो फर्टिलाइजेशन के माध्यम से गर्भवती होने के लिए दो साल तक इंतजार करना पड़ा था। उन्होंने सितंबर के महीने में अपने फॉलोवर्स से अपने गर्भवती होने की जानकारी साझा की थी। हैली ओकुला के हज़ारों फ़ॉलोअर्स ने उनके निधन पर दुख जताया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनके साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया।

ट्रंप पर कनाडा का पलटवार, पीएम कार्नी बोले- अमेरिकी वाहनों पर लगाएंगे 25 फीसदी टैरिफ

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 25 फीसदी ऑटो टैरिफ लगाया है जिसको लेकर कनाडा ने भी पलटवार किया है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को कहा कि कनाडा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 25 प्रतिशत ऑटो टैरिफ की बराबरी अमेरिका से आयातित वाहनों पर टैरिफ से करेगा। ट्रंप द्वारा पहले घोषित ऑटो आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ गुरुवार से प्रभावी हो गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह ट्रंप से फोन पर बात करते हुए कहा था कि वे उन टैरिफ के लिए जवाबी कार्रवाई करेंगे। कार्नी ने कहा कि हम ये कदम उठाना नहीं चाहते थे लेकिन हमें अब यह कदम उठाना पड़ रहा है। आगे बोले कि इससे अमेरिका में अधिकतम प्रभाव पड़ेगा और कनाडा में न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा।

कार्नी ने कहा कि कनाडा ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ नहीं लगाएगा जैसा कि ट्रंप ने लगाया है, क्योंकि उन्होंने कहा कि कनाडाई एकीकृत ऑटो सेक्टर के लाभों को जानते हैं। ओंटारियो या मिशिगन में पूरी तरह से असेंबल होने से पहले पार्ट्स कई बार कनाडा-अमेरिका सीमा पर आते-जाते रहते हैं। कार्नी ने कहा कि कनाडाई पहले से ही इसका प्रभाव देख रहे हैं।

पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू

सैंकड़ों को पकड़ कर शिविरों में भेजा

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों सहित सैकड़ों अवैध विदेशियों को गिरफ्तार किया गया, और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया गया। पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया गया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निर्देशों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है।

अफगान सरकार ने कहा, उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान में यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि फिलिप कैंडलर ने कहा, पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी।

समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का निर्णय पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक के दौरान लिया गया। सरकारी प्राधिकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी की थी कि 31 मार्च तक देश नहीं छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अफगान शरणार्थियों को रखने के लिए कम से कम 43 शिविर स्थापित किए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को हिरासत में लेंगे।

ईरान ने यमन में हूती विद्रोहियों को दिया बड़ा झटका, सैनिकों को बुलाया वापस

तेहरान। ईरान ने अमेरिका और इजरायल के बढ़ते हमलों के बीच यमन के हूती विद्रोहियों को एक बड़ा झटका दिया है। ईरान की सरकार ने अपने सैन्य कमांडरों से कहा है कि वे तुरंत यमन छोड़ दें। इस कदम का उद्देश्य अमेरिका और इजरायल से सीधे टकराव से बचना है। इस स्थिति ने हूती विद्रोहियों को अकेला छोड़ दिया है और अब उन्हें बिना किसी बाहरी समर्थन के संघर्ष करना पड़ेगा। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान ने यह फैसला अमेरिकी हमलों के खौफ के कारण लिया है। अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है। इसके अलावा अमेरिकी परमाणु बॉम्बर बी-2 भी अब इस हमले में शामिल हो गए हैं। एक ईरानी अधिकारी के मुताबिक ईरान की सरकार ने अपनी सैन्य टुकड़ियों को वापस बुलाने का फैसला इसलिए लिया है ताकि वह अमेरिका से सीधे टकराव से बच सके। अमेरिका के इन हमलों में ईरान के एक सैनिक की भी मौत हो गई है और इससे ईरान की क्षेत्रीय नीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। ईरान अब अपने समर्थक समूहों जैसे कि हमास, हूती और हिज्बुल्लाह से समर्थन कम कर रहा है ताकि वह अमेरिका से सीधे युद्ध में न उलझे। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के खिलाफ उनकी चिंता का मुख्य कारण है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिनके खिलाफ ईरान के हर बैठक में चर्चा होती है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को बार-बार चेतावनी दी है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम और हूती विद्रोहियों को दिए जाने वाले समर्थन को बंद करे। ट्रंप ने अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाते हुए दो परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर को ईरान के पास तैनात किया है और बड़े पैमाने पर बी-2 बॉम्बर को डिएगो गार्सिया में तैनात किया है। ट्रंप का कहना है कि यदि हूती विद्रोही ईरान के समर्थन से हमला करते हैं तो इसे ईरान के खिलाफ हमला माना जाएगा।

आईपीएल में इस दशक में सबसे ज्यादा शतक जोस बटलर के नाम

आईपीएल 2025: इस नंबर पर हैं गिल, राहुल और कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का कारवां आगे बढ़ रहा है और एक से बढ़कर एक रोमांचक मुकाबले क्रिकेट फैंस को देखने को मिल रहे हैं। वैसे इस सीजन में 14 मैच खत्म होने तक सिर्फ एक शतक लगा है जो केकेआर के बल्लेबाज इशान किशन ने लगाया है। वैसे इस सीजन में और भी शतक देखने को मिलेंगे, लेकिन इस दशक में यानी साल 2020 से अब तक आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर की बात की जाए तो इसमें पहले नंबर पर जोस बटलर हैं। जोस बटलर इस सीजन में आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे हैं और उन्होंने अपनी टीम के लिए सीजन के तीसरे मैच में आरसीबी खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली थी और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। जोस बटलर आईपीएल के कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं और वो विकेटकीपिंग भी करते हैं। बटलर का आईपीएल में रिकॉर्ड भी काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में वैसे तो सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली (8 शतक) के नाम पर दर्ज है और उसके बाद दूसरे नंबर पर जोस बटलर हैं जिन्होंने अब तक 7 शतक लगाए हैं, लेकिन इस दशक में यानी साल 2020 से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर की लिस्ट में बटलर पहले नंबर पर हैं। बटलर ने आईपीएल में अपने सारे शतक इस दशक में यानी साल 2020 से लगाए हैं।

इस दशक में बलटर ने अब तक आईपीएल की 64 पारियों में सबसे ज्यादा 7 शतक लगाए हैं जबकि इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर शुभमन गिल हैं जिन्होंने 79 पारियों मे 4 शतक ठोके हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर संयुक्त रूप से केएल राहुल और विराट कोहली मौजूद हैं। कोहली ने इस दशक में आईपीएल में 78 पारियों में 3 शतक जबकि केएल राहुल ने 66 पारियों में कुल 3 शतक जड़े हैं।

दशक में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले

- 7 - जोस बटलर (64 पारी)
- 4 - शुभमन गिल (79 पारी)
- 3 - केएल राहुल (66 पारी)
- 3 - विराट कोहली (78 पारी)

200 विकेट लेकर सुनील नरेन ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार रात आईपीएल में खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रनों से हराया. मुकाबले में एक विकेट लेकर केकेआर गेंदबाज सुनील नरेन ने इतिहास रचा. उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए 200 विकेट पूरे कर एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है. वह दुनिया के दूसरे ही गेंदबाज हैं, जिन्होंने लीग क्रिकेट में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए 200 विकेट लिए हैं.201 रनों का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 120 रनों पर ढेर हो गई. वैभव अरोड़ा ने ट्रेविस हेड (4), ईशान किशन (2) के रूप में 2 विकेट जल्दी गिरा दिए. अभिषक शर्मा भी 2 रन बनाकर हर्षित राणा का शिकार बने. टीम ने टॉप 3 बल्लेबाजों के विकेट सिर्फ 9 रन पर गंवा दिए थे. अपनी धाकड़ बल्लेबाजी के लिए जानी जाने वाली टीम का गुरुवार को केकेआर ने बुरा हाल किया. इस मैच में स्पिनर सुनील नरेन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया.सुनील नरेन ने 10वें ओवर की तीसरी गेंद पर इस मैच में अपना एकमात्र विकेट कामिन्दु मेंडिस के रूप में लिया. मेंडिस ने 20 गेंदों में 27 रन बनाए. इस विकेट के साथ सुनील नरेन ने केकेआर फ्रेंचाइजी के लिए 200 विकेट पूरे कर लिए हैं. सुनील नरेन ने आईपीएल में केकेआर के लिए 182 पूरे किए हैं. उनके नाम इसी फ्रेंचाइजी के लिए चैंपियंस लीग टी20 में 18 विकेट हैं. सुनील नरेन वर्ल्ड क्रिकेट में दूसरे ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने किसी एक फ्रेंचाइजी टीम के लिए 200 विकेट लिए हैं. उनसे पहले से पटेल ने ऐसा किया है. नॉटिंघमशायर टीम के लिए उन्होंने 208 विकेट लिए हैं. कोलकाता नाइट राइडर्स इस शानदार जीत के बाद अंक तालिका में 5वें नंबर पर आ गई है जबकि इससे पहले वो सबसे नीचे (10वें) थी.

आईपीएल 2025

पंजाब और राजस्थान के मुकाबले में जायसवाल की फॉर्म पर रहेगी नजर

मुल्लांपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग का मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी तो सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल पर टिकी रहेगी जो मैदान के बाहर की घटनाओं के बजाय अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरना चाहेंगे। जायसवाल हाल में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने मुंबई की टीम के अपने एक सीनियर साथी के साथ कथित मतभेदों के कारण घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलने का फैसला किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज आईपीएल में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने दिन मैच में केवल 34 रन बनाए हैं जिसका उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। जायसवाल की खराब फॉर्म का एक कारण उनका मैच अभ्यास की कमी है क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में वनडे क्रिकेट में पदार्पण के बाद वह आईपीएल से पहले किसी प्रतिस्पर्धी मैच में नहीं खेले थे। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से भी बाहर कर दिया गया था। सैमसन की उंगली में चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को पहले तीन मैच के लिए कप्तान नियुक्त किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि जायसवाल को यह फैसला नागवार गुजरा या नहीं। लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि जायसवाल आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं लेकिन अभी उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में फॉर्म बद से बदतर होने में देर नहीं लगती। रियान पराग की कप्तानी में नेतृत्व कौशल की अनुभवहीनता स्पष्ट नजर आई लेकिन इस बीच उसकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया जिससे उसके खिलाड़ी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जमा कर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया है। वह लंबे शॉट खेलने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। इसका सबूत यह है कि उन्होंने अभी तक केवल दो मैच में 13 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल के लिए हनीमून किया कैंसिल, बलिदान नहीं गया बेकार, एसआरएच के लिए डेब्यू में उगली आग

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के प्रतिभावान खिलाड़ी कामिंदु मेंडिस ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए अपना आईपीएल डेब्यू किया. उन्होंने अपने डेब्यू मैच में एक विकेट भी लिया. तारीख 3 अप्रैल, गुरुवार का दिन जब कामिंदु मेंडिस ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए अपना आईपीएल डेब्यू किया. श्रीलंका का यह प्रतिभाशाली गेंदबाज दोनों हाथों से बॉलिंग करता है, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया. उनके बैट से 27 रनों की पारी निकली और उन्होंने अपने डेब्यू मैच में एक विकेट भी लिया. मगर मेंडिस एक अन्य कारण से भी चर्चा में आ गए हैं क्योंकि अपने आईपीएल डेब्यू की वजह से उन्होंने अपने हनीमून तक का त्याग कर दिया.अभी कुछ दिन पहले ही मार्च 2025 में कामिंदु मेंडिस ने अपनी लॉन्ग-टाइम गर्लफ्रेंड निशनी से शादी रचाई है. दोनों का रिश्ता लंबे समय से चर्चा में रहा है और उन्होंने पिछले साल अप्रैल में सगाई कर ली थी. जब शादी हुई तब मेंडिस ने एक कार्ड पर खूबसूरत संदेश लिख कर बताया था कि वो अपनी सोलमेट से शादी कर रहे हैं और निशनी से बहुत प्यार करते हैं. खैर शादी के कुछ समय बाद अब विख्यात वेडिंग प्लानर पथुम गुनावर्दना ने मेंडिस के हनीमून के कैंसिल होने की जानकारी दी है.पथुम गुनावर्दना ने कामिंदु मेंडिस के हनीमून प्लान की जानकारी देकर बताया कि कामिंदु मेंडिस और निशनी श्रीलंका में ही हापुताले नाम की जगह पर हनीमून मनाने गए थे. उन्होंने विदेश का ट्रिप इसलिए प्लान नहीं किया क्योंकि कामिंदु मेंडिस को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए डेब्यू करना था. हनीमून के बजाय आईपीएल को तवज्जो देना दिखाता है कि इस श्रीलंकाई खिलाड़ी को क्रिकेट से कितना प्यार है.

हैदराबाद के जानी दुश्मन है अय्यर

इन 5 स्लॉग ओवर्स में लगा दी लंका, जब-जब खेले तब-तब बजाया बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता नाइटराडर्स के बीच 3 अप्रैल को हुए मुकाबले में 15 ओवर का खेल हो चुका था. चयक्रके वेंकटेश अय्यर 10 गेंदों पर 11 तो रिंकू सिंह 8 गेंदों पर 6 रन बनाकर खेल रहे थे. कोलकाता की टीम का स्कोर हुआ था 122/4.

इस स्कोर के बाद ही वेंकटेश अय्यर और रिंकू सिंह ने ऐसा मोर्चा संभाला कि कोलकाता ने 20 ओवर्स में पूरे 200 रन बना डाले. इस मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच भले ही चयक्र के वैभव अरोड़ा रहे, पर कोलकाता के लिए मैच बनाने का काम प्रमुख तौर पर वेंकटेश अय्यर ने किया. वरना एक समय कोलकाता के लिए 200 का स्कोर दूर के ढोल की तरह था. वहीं आखिरी के 5 ओवर्स में बल्ले से अय्यर और रिंकू ने तबाही मचा दी. कोलकाता की पारी का 16वां ओवर एसआरएच के पेसर मोहम्मद शमी करने आए. इस ओवर में अय्यर और रिंकू ने मिलकर 12 रन बनाए. फिर 17वें ओवर हर्षल पटेल के हाथ में था , यहां 15 रन आए. 18वें ओवर में सिमरतजीत सिंह अय्यर और रिंकू के सामने पड़े तो फिर 17 रन आए. जब सभी गेंदबाज स्लॉग ओवर में पिट रहे थे तो 19 ओवर खुद कप्तान कमिंस लेकर आए. लेकिन कमिंस की रिंकू और अय्यर ने ऐसी खातिरदारी की उनके ओवर मं 21 रन कूट दिए. 20वां ओवर हर्षल पटेल ने फेंका, जहां कुल 13 रन आए. इस ओवर में तीसरी गेंद पर 29 गेंदों पर 60 रन की पारी खेलने के बाद वेंकटेश अय्यर आउट तो हो गए, लेकिन वो तब तक अपना काम कर चुके थे. अय्यर से पहले अंगकृष रघुवंशी ने 32 रनों पर 50 रनों की पारी खेली. वहीं कोलकाता की ओर कप्तान अजिक्य रहाणे ने 38 तो रिंकू सिंह (32 नाबाद) ने भी सधी पारियां खेलीं. इस वजह से कोलकाता ने निर्धारित 20 ओवर्स में 200/6 का स्कोर बनाया. बाद में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम वैभव अरोड़ा के नेतृत्व में इस तरह सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पर टूटी कि उनको संभलने का मौका ही नहीं मिला. को मुकाबले में 80 रनों से हार मिली, जो उसकी रनों के लिहाज से आईपीएल में सबसे बड़ी हार रही. वहीं एसआरएच की इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार रही, वो केवल अपना पहला मुकाबला ही जीत सकी थी.

हितेश ने रचा इतिहास, जदुमनी, सचिन और विशाल को बॉन्ज से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील में हो रहे वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2025 के फाइनल में पहुंचकर भारत के बॉक्सर हितेश ने शुक्रवार (4 अप्रैल) को इतिहास रच दिया। वह वर्ल्ड बॉक्सिंग कप का खिताबी मुकाबला खेलने वाले पहले भारतीय होंगे। उनके अलावा भारत के 3 अन्य मुक्केबाज जदुमनी सिंह,सचिन और विशाल को सेमीफाइनल में हार मिली। तीनों को बॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। हितेश ने 70 किलोग्राम कैटेगरी फ्रांस के मकान त्राओरे को 5-0 से हराया। इससे पहले हितेश ने इटली के गैब्रिएल गुइडी रोनटानी को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल के अन्य मुकाबलों की बात करें तो 60 किलोग्राम कैटेगरी में जदुमनी सिंह को उजबेकिस्तान के ए.जलिलोव ने 2-3 से हराया। वह ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे थे। शुरुआती दौर में बाई मिलने के कारण सचिन (60 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) सीधे सेमीफाइनल में उतरे। सचिन को पोलैंड के पवेल ब्राच से हार का सामना करना पड़ा। विशाल को उजबेकिस्तान के टी. खबीबुल्लाएव ने 0-5 से हराया।

क्या बढ़ेगी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि, शीर्ष खिलाड़ियों ने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन की कुल पुरस्कार राशि करीब 58 मिलियन डॉलर है, जबकि विंबलडन की करीब 64 मिलियन डॉलर और अमेरिकी ओपन की लगभग 75 मिलियन डॉलर है।नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, अरिना सबालेंका और कोको गॉफ जैसे 20 प्रमुख टेनिस खिलाड़ियों ने चारो ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग की है। इतना ही नहीं, इन दिग्गज और स्टार टेनिस खिलाड़ियों ने उन्हें प्रभावित करने वाले फैसलों में उनकी बात को अधिक तवज्जो देने की मांग की है। इन स्टार्स ने इस संबंध में चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के प्रमुखों को पत्र लिखा है। यह पत्र 21 मार्च को लिखा गया था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के प्रमुख क्रेग टिली हैं, जबकि फ्रेंच ओपन के प्रमुख स्टीफन मोरेल, विंबलडन के प्रमुख सैली बोल्टन और अमेरिकी ओपन के प्रमुख ल्यू शेर हैं। इन सभी को संबोधित करते हुए खिलाड़ियों ने पत्र में इस महीने होने वाले मैड्रिड ओपन के दौरान अपने प्रतिनिधियों और चारों ग्रैंड स्लैम के प्रमुखों के बीच बैठक करने का भी अनुरोध किया है।

इस पत्र में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर हैं, जबकि महिला वर्ग में शीर्ष-11 खिलाड़ियों में से केवल एलिना रयबाकिना के इस पर हस्ताक्षर नहीं हैं। अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन की कुल पुरस्कार राशि करीब 58 मिलियन डॉलर (करीब 494 करोड़ रुपये) है, जबकि विंबलडन की करीब 64 मिलियन डॉलर (करीब 545 करोड़ रुपये) और अमेरिकी ओपन की लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 639 करोड़ रुपये) है। इस राशि में से विजेताओं-उपविजेताओं समेत अन्य हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि बांटी जाती है।

अंतरराष्टीय टेनिस महासंघ ने घोषणा की है कि इस साल का होपमैन कप इटली के दक्षिणी शहर बारी में खेला जाएगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, यूनान, कनाडा और मौजूदा चैंपियन क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन विंबलडन के एक सप्ताह बाद 16 से 20 जुलाई तक किया जाएगा। होपमैन कप के लिए टीमों में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसके एक मुकाबले में एक पुरुष एकल मैच, एक महिला एकल मैच और एक मिश्रित युगल मैच शामिल होता है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक नहीं मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी हैरी होपमैन के नाम पर, होपमैन कप 1989 में शुरू हुआ और 2020 तक हर साल खेला जाता था। पहले 30 वर्ष तक इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में टेनिस सत्र के पहले सप्ताह में किया जाता था। आखिरी बार इसका आयोजन 2023 में फ्रांस में हुआ था जिसमें क्रोएशिया के डोना वेकिच और बोर्ना कोरिच चैंपियन बने थे।

जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर हैः आलेया घोष

शेमारू उमंग पर प्रसारित जमुनीया शो अपने प्रसारण के बाद से ही दर्शकों का दिल छू रहा है और समाज में खूबसूरती, स्वीकृति और आंतरिक शक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। यह कहानी जमुनीया नाम की एक लड़की की है, जो अपने सांवले रंग के कारण समाज की आलोचना का शिकार होती है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ सुंदरता को अक्सर गोरेपन से जोड़ा जाता है, उसके लिए हर दिन एक नई चुनौती होता है। लेकिन, जमुनीया हार मानने वालों में से नहीं है, वह अपने आत्मविश्वास और साहस से इन भेदभावों का डटकर सामना करती है। शो के नाम और इसके गहरे अर्थ के बारे में बात करते हुए मुख्य अभिनेत्री आलेया घोष कहती हैं, जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है। जैसे जामुन सेहत के लिए लाभकारी होता है, वैसे ही मेरा किरदार जमुनीया सिर्फ अपनी बाहरी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। वह निडर है और हमेशा सच के लिए खड़ी होती है। मौजूदा कहानी में, उसने खुद को बखूबी साबित किया है और वह जानती है कि अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। वह किसी को भी खुद पर अन्याय नहीं करने देगी और अपने पति की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी, भले ही उसका पति और परिवार उसे उसके रूप के कारण स्वीकार न करें। लोग अक्सर रूप-रंग के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन असली सुंदरता साहस, विनम्रता और आत्मबल में होती है। अब समय आ गया है कि हम त्वचा के रंग से आगे बढ़ें और अपने अंदर के हीरो को पहचानें।

जमुनीया का दुनिया का नज़रिया बदलने को लेकर उसकी संघर्ष से भरी यात्रा के ज़रिए, यह शो एक सशक्त संदेश देता है। सौंदर्य सिर्फ चेहरे की सुंदरता में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और सच्चे दिल में होता है।

एटली की फिल्म पर आया नया अपडेट

क्या अल्लू अर्जुन के साथ पर्दे पर दिखेंगी ये बॉलीवुड अभिनेत्री?

एटली जल्द ही अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म में वह एक बॉलीवुड अभिनेत्री को कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। निर्देशक एटली ने बॉलीवुड में अपनी फिल्म जवान से धमाल मचाया था। इस फिल्म में शाहरुख खान और नयनतारा लीड रोल में थे। अब खबर है कि एटली अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। इस बार उनके हीरो अल्लू अर्जुन होंगे। फैंस यह जानने को बेताब हैं कि फिल्म की हीरोइन कौन होगी। तेलुगु सिनेमा की एक रिपोर्ट के मुताबिक एटली अपनी इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा से संपर्क करने की योजना बना रहे हैं।

प्रियंका को फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं एटली

रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि अल्लू अर्जुन की इस फिल्म में कई एक्ट्रेसेस होंगी। अब ताजा खबर है कि एटली प्रियंका को एक अहम किरदार के लिए कास्ट करना चाहते हैं। प्रियंका इन दिनों तेलुगु सिनेमा में डेब्यू की तैयारी में हैं। वह एस एस राजामौली की अगली फिल्म में महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग के दो शेड्यूल पूरे हो चुके हैं।

मशहूर गायक-रैपर गुरु रंधावा ने हाल ही में अपना पहला एल्बम विदाउट प्रेजुडिस लॉन्च किया है। रंधावा ने बताया कि विदाउट प्रेजुडिस भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ गीत बनाने का उनका पहला प्रयास है, जिसे लेकर वह रोमांचित हैं। उन्होंने वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर भारतीय संगीत और ग्लोबल संगीत के बीच की खाई को पाटने का काम किया है।

विदाउट प्रेजुडिस भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ गीत बनाने का मेरा पहला प्रयासः गुरु रंधावा

अपने एल्बम पर प्रकाश डालते हुए रंधावा ने कहा कि यह नए अंदाज में एक भारतीय गीत है और इसे हर कोई पसंद करेगा। नौ ट्रैक वाले एल्बम के बारे में उन्होंने बताया, इस बार मेरे गायन में बहुत कुछ नया है और यह कह सकते हैं कि मेरे गायन का प्रवाह बदल चुका है। गीत में इस्तेमाल होने वाले कंटेंट यूनिवर्सल हैं। यह एल्बम भारतीय शास्त्रीय संगीत के तत्वों के साथ गीत बनाने का मेरा पहला प्रयास है। रंधावा पिटबुल, द चेनस्मोकर्स और जे सीन जैसे कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं। गायक ने इस बात पर जोर दिया कि अब देश के साथ ही विदेशों में भी भारतीय संगीत कलाकारों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने बताया, अब अवसर और भी बढ़ चुके हैं और वे भारतीय संगीत के बारे में जानते हैं। वे इसकी सराहना करते हैं कि हमारे कलाकार दुनिया भर में छाए हुए हैं। इससे पहले रंधावा ने वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ काम करने के अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए कहा, विदाउट प्रेजुडिस एल्बम न केवल मेरा, बल्कि उस दर्शक वर्ग के लिए भी खास है, जिसके साथ मैं जुड़ना चाहता हूं। विदाउट प्रेजुडिस बाधाओं को तोड़ने और नए संगीत को अपनाने के बारे में है, जो मेरी जड़ों से जुड़े रहने के साथ दुनिया भर के संगीत को एक अलग अंदाज में पेश करता है। वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ इस यात्रा के माध्यम से मैं प्रशंसकों के लिए कुछ खास लाने को लेकर रोमांचित हूं। 'विदाउट प्रेजुडिस' साल 2023 के बाद से गुरु का पहला स्टूडियो एल्बम है। एल्बम में नौ शानदार ट्रैक हैं। इनमें 'स्नैपबैक', 'सिरा', 'न्यू एज', 'कताल', 'फ्रॉम एजेस', 'जानेमन', 'किथे वसदे ने', 'सरे कनेक्शन', 'गैलन बटन' हैं, जिसमें अफ्रोपॉप और भारतीय पॉप का मिश्रण है। एल्बम का पहला सिंगल 28 मार्च को रिलीज हुआ। इस एल्बम में रंधावा, किरण बाजवा और प्रेम लता जैसे कलाकारों के साथ काम किया गया है।

जब शबाना आजमी ने दी थी चित्रांगदा सिंह को एक्टिंग टिप

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने शबाना आजमी से जुड़ा अपना एक वाकया शेयर किया है, जो आज भी उनके दिल के करीब है। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि शबाना आजमी ने उन्हें एक्टिंग टिप दी थी। यह टिप उन्हें अभिनेत्री शबाना आजमी ने एक बातचीत के दौरान दी थी। चित्रांगदा ने बताया कि वह अपनी पहली फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के सेट पर पूरी तरह खो गई थीं। अपनी पहली फिल्म कैसे मिली, इसे याद करते हुए उन्होंने बताया, मैंने अभिनय की पढ़ाई नहीं की है। मैंने कभी थिएटर भी नहीं किया। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा संयोग था कि मैं इस क्षेत्र में आ गई। उन्होंने बताया, मैं दिल्ली में मॉडलिंग कर रही थी। निर्देशक सुधीर मिश्रा गीता राव (हजारों ख्वाहिशें ऐसी में उनका किरदार) नाम की लड़की की तलाश कर रहे थे, लेकिन उन्हें कोई नहीं मिला। गीतकार स्वानंद किरकिरे, जो उस समय सुधीर के सहायक थे, ऑडिशन ले रहे थे। मेरे साथ काम करने और मुझे एक अच्छा ऑडिशन देने के लिए तैयार करने के लिए मैं उनकी बहुत आभारी हूं।

उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान, वह बहुत खोई हुई महसूस करती थीं, क्योंकि केके मेनन जैसे उनके साथी कलाकार भावनाओं और किरदार के बारे में बात करते थे। अभिनय की पृष्ठभूमि से न होने के कारण वह सेट पर खुद को बहुत असहज महसूस करती थीं।

सिंह ने बताया, मैंने एक दिन सुधीर से कहा, मुझे नहीं पता कि क्या करना है और उन्होंने कहा, यह सबसे अच्छी बात है क्योंकि तुम्हें सीन में सिर्फ रिएक्ट करना है, एक्ट नहीं करना है। यह बहुत ही सुंदर बात थी। मैं बस उस एक बात पर कायम रही और ऐसा लगा कि मेरे अंदर कोई कमी नहीं है। सिंह ने बताया कि शबाना आजमी ने उन्हें अभिनय के लिए टिप दी थी। उन्होंने कहा, मुझे बाद में शबाना जी के साथ एक फिल्म में काम करने का मौका मिला और मैं उनके साथ इस पर चर्चा कर रही थी। हम चर्चा कर रहे थे कि मैं एक्टिंग स्कूल नहीं गई हूं या मैंने एक्टिंग की पढ़ाई नहीं की है। इस पर शबाना जी ने क्या कहा, आप जानते हैं?

उन्होंने कहा कि एक्टिंग की पढ़ाई करने में समस्या यह है कि पहले आप सीखते हैं और फिर आपको भूलना पड़ता है। तो सबसे अच्छी स्थिति में हो क्योंकि तुमने सीखा नहीं है, तो तुम्हें भूलना भी नहीं पड़ेगा। यह ज्यादा लंबी प्रक्रिया है। मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपना तरीका होता है।

ट्रोलिंग से अब कोई फर्क नहीं पड़ताः सारा

सारा अली खान को अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोल किया जाता है। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनका मानना है कि नेगेटिविटी को सिर्फ मेडिटेशन से ही कम किया जा सकता है। सारा अली खान ने बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि वह सोशल मीडिया ट्रोलिंग को कैसे डील करती हैं और उससे कैसे डील करती हैं? सारा ने ट्रोलिंग को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे मेरे धर्म को लेकर भी ट्रोल्स किया जाता है, लोग कहते हैं कि तुम मुस्लिम हो और हिंदू मंदिरों में जाती हो। लेकिन मुझे अब इन सब बात से फर्क पड़ना बंद हो गया है। मुझे ट्रोलिंग से डील करने में सबसे ज्यादा हेल्प मेडिटेशन करता है। मुझे मेडिटेशन से यह पता चलता है कि क्या रियल है और क्या नहीं। मेरे लिए समस्या कभी भी ट्रोलिंग नहीं थी, मेरा यह सोचना था कि मैं ही सबसे अच्छी हूं। अब, मैंने यह सोचना ही बंद कर दिया है। सारा ने आगे कहा, 'मैं एक एक्टर के रूप में अभी भी टॉप पर नहीं हूं। कुछ लोग कुछ कलाकारों को पसंद करते हैं, और कुछ को नहीं। एक एक्टर के रूप में मुझे अभी काफी लंबा सफर तय करना है। अभी एक लंबी लाइफ है, अभी काफी कुछ करना है।'

नीना गुप्ता ने सेक्स पर दिया बयान

95 फीसदी महिलाओं को...

बॉलीवुड फिल्मों की वेटरन एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने अपने करियर में बेहतरीन फिल्मों में काम किया है. वह फिल्म के अलावा वेब सीरीज में भी नजर आती हैं. नीना गुप्ता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रही हैं. इसके साथ ही वह अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं. नीना गुप्ता ने अब भारत की महिलाओं को लेकर बयान दिया है. एक्ट्रेस नीना गुप्ता का कहना है कि सेक्स ओवररेटेड है और भारत में 95 महिलाओं को ये पता ही नहीं है कि सेक्स प्लेजर के लिए होता है. नीना गुप्ता ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि एक समय ऐसा था जब सेक्स शब्द को फुसफुसाकर बोलती थीं. अब समय बदल गया है और वह फुसफुसाकर नहीं बोलती हैं. नीना गुप्ता ने कहा, मुझे लगता है कि सेक्स बहुत ओवररेटेड चीज है. मुझे महिलाओं और सेक्स के लिए बहुत दुख होता है क्योंकि भारत में 95 फीसदी महिलाओं को पता ही नहीं है कि सेक्स एंजॉय करने के लिए होता है. नीना गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को लगता है कि सेक्स अपने पति को खुश करने और ब'चा पैदा करने के लिए होता है. एक्ट्रेस बोलीं, स्टूडियो में जितने लोग हैं, हम भारत में अल्पसंख्यक हैं. लेकिन अधिकतम लोगों के लिए ये प्लेजर नहीं है. इसलिए ये बहुत ओवररेटेड है.

कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है फिल्म निर्माणः जैकी भगनानी

अभिनेता और निर्माता जैकी भगनानी का मानना है कि फिल्म निर्माण कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है और इसके लिए कलात्मकता की आवश्यकता होती है। जैकी का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री कला और कॉमर्स के संगम पर काम करती है। फिल्म निर्माण कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है और इसके लिए ऐसी कलात्मकता की आवश्यकता होती है जो आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो। रचनात्मकता के साथ फिल्म बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के साथ-साथ आवश्यक निवेश और प्रोजेक्ट के संभावित रिटर्न दोनों का आकलन करना जरूरी है। आज सभी निर्माताओं को एक स्थायी मॉडल बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। जैकी ने कहा, मैं अपने अवलोकनों के आधार पर यह कह सकता हूं कि इंडस्ट्री ने हमेशा बुरे दौर से वापसी की है। इसमें परिस्थिति के साथ उतार-चढ़ाव हैं, जिससे टेलीविजन युग और पायरेसी संकट से उबरने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, कोविड-19 के बाद और वर्तमान ओटीटी युग के दौरान भी हमारे पास ब्लॉकबस्टर हिट फिल्में रही हैं। फिर भी मुझे दृढ़ता से लगता है कि आज, अनिश्चितताओं से निपटने और सफलता को बनाए रखने के लिए, रचनात्मकता पर नए सिरे से ध्यान देने की आवश्यकता है। आखिरकार, यही सिनेमा का दिल है और अप्रत्याशित समय में लंबे समय तक की स्थिरता के लिए यह महत्वपूर्ण है। जैकी ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सिनेमा में आपको रचनात्मक आकांक्षा और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाना होता है और आज पहले से कहीं ज्यादा हमें नए विचारों और मजबूत आर्थिक व्यावहारिकता की भी जरूरत है। वित्तीय वास्तविकताओं के साथ कलात्मक दृष्टि को संतुलित करना असफलताओं पर काबू पाने और समय के साथ विकसित होने की कुंजी है। इंडस्ट्री की वर्तमान स्थिति पर विचार करते हुए जैकी ने कहा, आज, हमें निस्संदेह अपनी विषय-वस्तु को फिर से समायोजित करने की आवश्यकता है, क्योंकि दर्शक, दुनिया भर में हाई क्वालिटी वाली सिनेमा देख चुके हैं, वे औसत दर्जे को स्वीकार नहीं करते हैं। असफलता एक ऐसी सच्चाई है, जिस पर समझौता नहीं किया जा सकता और यह प्रोडक्शन हाउस तथा व्यक्तिगत करियर को भी प्रभावित करती है। फिर भी, हमारी इंडस्ट्री असफलताओं से बचती रही है और मुझे आशा है कि आगे भी ऐसा ही होता रहेगा।

इंटीमेट सीन के दौरान को-स्टार्स ने किया असहजः अनुप्रिया

फिल्म पद्मावत, टाइगर जिंदा है और वार जैसी हिट फिल्मों में नजर आ चुकीं अनुप्रिया गोयनका ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उनके को-स्टार्स ने कई बार ऐसा बर्ताव किया, जिससे उन्हें असहज महसूस हुआ। यूट्यूबर सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में अनुप्रिया ने कहा, ऐसा दो बार हुआ। पहली बार मैं नहीं कहूंगी कि वह व्यक्ति मुझे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन एक अजीब सा एक्साइटमेंट था, जो नहीं होना चाहिए। मुझे साफ दिख रहा था कि वह उत्साहित हो रहा है, जिससे मुझे अजीब महसूस हुआ और असहजता हुई। यह घटना एक किसिंग सीन के दौरान हुई थी।

शूटिंग के दौरान को-स्टार ने की गलत हरकत

अनुप्रिया ने आगे बताया कि एक और सीन में जब वह ठीक से कंफर्टेबल नहीं थीं, तब उनके को-स्टार ने उन्हें इस तरह पकड़ लिया, जो जरूरी नहीं था। मैंने सोचा था कि एक मर्द होने के नाते उन्हें समझ होना चाहिए कि ऐसे सीन में कमर पर हाथ रखना आसान होता है। लेकिन उन्होंने मेरे बट के पास हाथ रख दिया, जो सही नहीं था। वह आराम से कमर पर हाथ रख सकते थे।

खुद समझाकर ठीक कराया सीन

उन्होंने कहा कि यह अनुभव काफी असहज करने वाला था। बाद में मैंने खुद उनके हाथ ऊपर किए और कहा कि यहां रखिए, नीचे नहीं। उस वक्त मैं उनसे सवाल नहीं कर सकी कि उन्होंने ऐसा क्यों किया, क्योंकि वह इसे गलती बता सकते थे। लेकिन मैंने साफ कहा कि अगले टेक में ऐसा न करें।

साभार एजेंसी